11th ANNIVERSARY

त्रिपुरी टाइम्स

www.tripuritimes.com

वर्ष 11 अंक 22

जबलपुर, मंगलवार 17 फरवरी 2026

पृष्ठ संख्या : 8 मूल्य : 2 रुपए

एआई समिट के नतीजे प्रगतिशील, नवाचारी और अवसरों से भरपूर भविष्य का निर्माण करेंगे: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार से यहां शुरू हो रहे कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन 'ए आइ इम्पैक्ट समिट ' में हिस्सा लेने वाले दुनिया भर के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए उम्मीद जतायी है कि इस सम्मेलन के नतीजे के प्रगतिशील, नवाचारी और अवसरों से भरपूर भविष्य के निर्माण में सहायक होंगे। बीस फरवरी तक चलने वाले इस पांच दिन के सम्मेलन से पहले श्री मोदी ने सोशल मीडिया पर अपने सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि इस सम्मेलन की विषय वस्तु 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय', यानी सभी का कल्याण, सभी के लिए खुशी, मानव केन्द्रीत प्रगति के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को दिखाती है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज से, भारत दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट होस्ट कर रहा है। मैं इस समिट के लिए दुनिया भर के लीडर्स, इंडस्ट्री के कैप्टन्स, इनोवेटर्स, पॉलिसीमेकर्स, रिसर्चर्स और टेक के शौकीनों का दिल से स्वागत करता हूं। समिट की थीम है सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय, यानी सभी का कल्याण, सभी के लिए खुशी, जो ह्यूमन-सेंट्रिक प्रोग्रेस के

लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल करने के हमारे साझा कमिटमेंट को दिखाता है। उन्होंने कहा, 'आज एआई स्वास्थ्य, शिक्षा,कृषि, शासन और उद्यम सहित कई क्षेत्रों को बदल रहा है। एआई इम्पैक्ट समिट एआई के अलग-अलग पहलुओं, जैसे नवाचार, सहयोग, ज़िम्मेदारी से इस्तेमाल और भी बहुत कुछ पर वैश्चिक बातचीत को बेहतर बनाएगा। मुझे विश्वास है कि समिट के नतीजे एक ऐसे भविष्य को बनाने में मदद करेंगे जो प्रोग्रेसिव, इनोवेटिव और मौकों पर आधारित हो। श्री मोदी ने कहा, 'भारत के 1.4 अरब लोगों की बदौलत, हमारा देश एआई बदलाव में सबसे आगे है। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर एक वाइब्रेंट स्टार्टअप इकोसिस्टम और कटिंग-एज रिसर्च तक, एआई में हमारी तरक्की एम्बिशन और ज़िम्मेदारी दोनों को दिखाती है। इससे पहले उन्होंने एक और पोस्ट में कहा, 'यह हमारे लिए अत्यंत गर्व की बात है कि एआई इम्पैक्ट समिट के लिए दुनियाभर से लोग भारत आ रहे हैं। इससे हमारे देश के युवाओं के सामर्थ्य का भी पता चलता है। यह अवसर इस बात का भी प्रमाण है कि हमारा देश विज्ञान और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है और वैश्विक विकास में अहम योगदान दे रहा है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी के परिवार की विदेशी संपत्ति पर फिर छिड़ी बहस

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के परिवार की स्विट्ज़रलैंड में स्थित आवासीय संपत्ति एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में है। यह संपत्ति उनकी पत्नी और पूर्व राजनयिक लक्ष्मी एम. पुरी के नाम पर दर्ज है, जिसे वर्ष 2006 में खरीदा गया था। यह जानकारी न केवल सार्वजनिक दस्तावेजों में उपलब्ध है, बल्कि राज्यसभा नामांकन के दौरान दाखिल किए गए उनके शपथपत्र में भी दर्ज की गई है। शपथपत्र में इस फ्लैट को परिवार की संपत्ति बताते हुए खरीद वर्ष 2006 स्पष्ट उल्लेखित है, जिससे यह साफ होता है कि इसकी जानकारी पहले से ही सार्वजनिक डोमेन में मौजूद रही है। इस संपत्ति को लेकर समय-समय पर राजनीतिक आरोप सामने आते रहे हैं।

कुछ मीडिया रिपोर्टों और विपक्षी नेताओं ने सवाल उठाए कि क्या यह खरीद आय के अनुरूप थी और इसके लिए धन का स्रोत क्या था। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए लक्ष्मी पुरी और उनकी कानूनी टीम ने स्पष्ट किया कि संपत्ति संयुक्त राष्ट्र में उनके कार्यकाल के दौरान प्राप्त कर-मुक्त वेतन, बैंक ऋण और पारिवारिक संसाधनों से खरीदी गई थी। ताजा विवाद तब उभरा जब कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया कि यह संपत्ति कुख्यात अमेरिकी अपराधी जेफ़री एपस्टीन के बंगले से लगभग दस मिनट की दूरी पर स्थित है। हालांकि इसका कोई प्रत्यक्ष संबंध संपत्ति खरीद से नहीं है, लेकिन राजनीतिक बयानबाजी में इस दूरी को लेकर भी प्रश्न उठाए जा रहे हैं। विपक्षी दल कांग्रेस का दावा है, पुरी परिवार एपस्टीन के संपर्क लंबे समय से है। उन्होंने कुछ मुलाकातों का उल्लेख किया है। अब आरोप-प्रत्यारोपों के बीच यह मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति में चर्चा का विषय बन गया है, जहां पारदर्शिता, सार्वजनिक जीवन की नैतिकता और विदेशी संपत्तियों के खुलासे जैसे प्रश्न केंद्र में हैं।

भारतीय सेना के लापता अधिकारी के खिलाफ आखिरकार बर्खास्तगी की कार्रवाई शुरू

पुणे, एजेंसी। पुणे के औंध इलाके के रहने वाले और भारतीय सेना की विशेष बल अधिकारी कैप्टन शरीफ सिंह भोसले के खिलाफ सेना ने आखिरकार बर्खास्तगी की कार्रवाई शुरू करने का फैसला किया है। सेना ने भोसले को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जो 10 साल से ज़्यादा समय से लापता और फरार हैं, और उनसे पूछा है कि उनकी सेवा क्यों न खत्म कर दी जाए। मालूम हो कि कैप्टन भोसले नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) के पुराने छात्र हैं और 2009 में भारतीय सेना की बहुत जानी-मानी 2 पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्सेज़) में कमीशन हुए थे। लापता होने के समय, वह अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल के एडीसी थे। सेना के एक आधिकारिक नोटिस के मुताबिक, कैप्टन भोसले अगस्त 2014 में अपनी सालाना छुट्टी खत्म होने के बाद ड्यूटी पर रिपोर्ट नहीं किए। जांच में पता चला कि वह मिलिट्री इंटेलिजेंस से बिना कोई परमिशन लिए इंटरनेशनल पैरा-जंपिंग फेस्टिवल में हिस्सा लेने के लिए स्पेन गए थे। बाद में उनके सोशल मीडिया अकाउंट से मिली जानकारी के मुताबिक, उनकी आखिरी लोकेशन नॉर्वे बताई गई थी। तब से उनका कोई पता नहीं चला है।

सख्त कार्रवाई की चेतावनी

कैप्टन भोसले को गिरफ्तार करने के लिए 2016 में आदेश जारी किया गया था, लेकिन उनका पता नहीं चल सका। मामले को गंभीरता से लेते हुए आर्मी चीफ ने कहा है कि लंबे समय तक बिना

इजाज़त के गैरहाज़िरी गंभीर कदाचार है। आर्मी ने अब साफ किया है कि ऐसे अधिकारी को सेवा में रखना ठीक नहीं है। इसी वजह से, कैप्टन भोसले को 27 अक्टूबर, 2025 की तारीख का एक कारण बताओ नोटिस पुणे में उनके घर पर भेजा गया था। इस नोटिस का जवाब देने के लिए 30 दिन का समय दिया गया था। अगर इस समय में कोई जवाब नहीं मिलता है, तो आर्मी ने कहा था कि वह बिना किसी का इंतज़ार किए उन्हें एकतरफ़ा आर्मी से निकालने का प्रोसेस पूरा कर लेगी। लेकिन अबतक कोई जवाब नहीं मिलने पर उन्हें सेना से बर्खास्त करने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

यूएस-भारत की रक्षा साझेदारी का एकमात्र उद्देश्य ताकत के बल पर शांति: जे. पपारो

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी सेना की हिंद-प्रशांत कमान के कमांडर एडमिरल सैमुअल जे. पपारो ने भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य संबंधों को वैश्विक स्थिरता के लिए अनिवार्य बताया है। नई दिल्ली की अपनी महत्वपूर्ण यात्रा के दौरान रविवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए एडमिरल पपारो ने स्पष्ट किया कि दोनों देशों की रक्षा साझेदारी का एकमात्र और साझा उद्देश्य ताकत के बल पर शांति (पिस थ्रू स्ट्रेंथ) बनाए रखना है। उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती जबरन कार्रवाई और आक्रामकता पर गहरी चिंता व्यक्त की, जिसे सीधे तौर पर इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते सैन्य प्रभाव और विस्तारवादी नीतियों के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। एडमिरल पपारो ने भारत और अमेरिका के बीच के रक्षा संबंधों को तेजी से मजबूत होने वाला करार दिया। उन्होंने कहा कि दोनों लोकतांत्रिक राष्ट्रों के हित एक समान हैं और वर्तमान में दोनों पक्ष समुद्री क्षेत्र में सैन्य सहयोग को एक नए स्तर पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अमेरिकी सैन्य अधिकारी के अनुसार, यह साझेदारी केवल

द्विपक्षीय सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका अंतरराष्ट्रीय प्रतिरोध (डिटेरेंस) पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब दुनिया के दो सबसे बड़े और पुराने लोकतंत्र कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होते हैं, तो यह साझा उद्देश्य शांति स्थापित करने की दिशा में एक शक्तिशाली संदेश भेजता है। क्षेत्रीय सुरक्षा की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए एडमिरल पपारो ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र वर्तमान में वैश्विक व्यवस्था का केंद्र है। यहां दुनिया की 60 प्रतिशत आबादी निवास करती है और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भी इस क्षेत्र का हिस्सा 60 प्रतिशत से अधिक है। साथ ही, दुनिया की दस सबसे बड़ी सेनाओं में से सात इसी क्षेत्र में सक्रिय हैं। ऐसे में इस क्षेत्र की संप्रभुता, नौवहन की स्वतंत्रता और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करना दोनों देशों की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि चुनौतियों और चिंताओं के बावजूद, भारत और अमेरिका का पारस्परिक सम्मान और संप्रभुता पर आधारित रिश्ता इन समस्याओं से निपटने का सबसे प्रभावी माध्यम है। विशेष रूप से, अमेरिकी कमांडर ने भारतीय सेना की कार्यप्रणाली और सूझबूझ की जमकर सराहना की। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए उन्होंने भारतीय सेना द्वारा दिखाए गए संयम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे जटिल अभियानों के दौरान भारतीय सेना ने जिस तरह का अनुशासन दिखाया है, वह काबिले तारीफ है। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस तरह की सैन्य गतिविधियां शांतिप्रिय राष्ट्रों के लिए चिंता का विषय होती हैं, लेकिन भारत का उत्तरदायित्वपूर्ण रवैया सराहनीय है।

गहराता तनाव: खामेनेई की हिटलिस्ट में नेतन्याहू समेत इजराइली सुरक्षा प्रमुखों के नाम

तेहरान, एजेंसी। तेहरान और वॉशिंगटन के बीच कूटनीतिक गलियारों में संवाद की सुगबुगाहट के बीच युद्ध के बादल और गहरे होने लगे हैं। एक तरफ जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के बीच बातचीत के रास्ते खोजने के दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर दोनों देश एक-दूसरे को रणनीतिक रूप से डराने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। इस तनावपूर्ण माहौल के बीच ईरान ने एक ऐसी हिटलिस्ट जारी की है, जिसने पूरी दुनिया में खलबली मचा दी है। इस सूची में ईरान ने उन तमाम चेहरों को शामिल किया है, जिन्हें वह अपना मुख्य लक्ष्य मानता है। इस फेहरिस्त में सबसे ऊपर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का नाम रखा गया है। ईरानी सरकारी मीडिया द्वारा साझा की गई इस किलिंग टारगेट लिस्ट में केवल नेतन्याहू ही नहीं, बल्कि इजराइल की सुरक्षा और सैन्य मशीनरी के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ भी शामिल हैं। नेतन्याहू के बाद इस सूची में मोसाद प्रमुख डेविड बर्निया, रक्षा मंत्री इसराइल काट्ज, आईडीएफ प्रमुख इयल जमीर, वायुसेना प्रमुख तोमर बार, सैन्य खुफिया प्रमुख श्लोमी बाइंडर और ऑपरेशंस प्रमुख इत्जीक कोहेन के नाम प्रमुखता से दर्ज हैं। ईरान ने फिलहाल इस बात को गोपनीय रखा है कि वह इन लक्ष्यों को कब और किस तरह निशाना बनाने की योजना बना रहा है, लेकिन इस सूची के सार्वजनिक होने ने मध्य-पूर्व में सुरक्षा चिंताओं को चरम पर पहुंचा दिया है। यह घटनाक्रम उस समय सामने आया है जब हाल ही में बेंजामिन नेतन्याहू ने व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी। इस बैठक में मुख्य रूप से ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं और क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा हुई थी, जिसके तुरंत बाद अमेरिका ने संकेत दिए थे कि ईरान के साथ समझौतों पर अब अत्यधिक सख्ती बरती जाएगी। उल्लेखनीय है कि पिछले साल इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ऑपरेशन मिडनाइट हैमर को अंजाम दिया था, जिसमें ईरान के कई परमाणु ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा था। इसके अलावा, मोसाद के खुफिया ऑपरेशनों में ईरान के कई परमाणु वैज्ञानिक और सैन्य अधिकारी भी मारे गए थे, जिनमें आईआरजीसी प्रमुख हुसैन सलामी जैसा बड़ा नाम भी शामिल था। इस बढ़ती तनातनी के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का एक हालिया बयान चर्चा का विषय बना हुआ है।

मंगल ग्रह की सबसे बड़ी चुनौती है उसका वातावरण

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। मशहूर अमेरिकी उदयोगपति एलन मस्क का मंगल ग्रह पर बसने का सपना मानव सभ्यता के भविष्य को सुरक्षित करने की बड़ी योजना का भाग माना जाता है। लेकिन मंगल ग्रह की सबसे बडी चुनौती वहां का वातावरण है। एलन मस्क का पहला लक्ष्य इंसानों को मंगल पर पहुंचाना है, लेकिन वह अच्छी तरह जानते हैं कि लाल ग्रह की कठोर परिस्थितियाँ इंसान के लिए तुरंत अनुकूल नहीं हैं। यही कारण है कि मस्क चाहते हैं कि इंसानों से पहले रोबोट मंगल पर जाएं और इंसानों के लिए वहां सुरक्षित माहौल तैयार करें। मंगल ग्रह की सबसे बड़ी चुनौती उसका वातावरण है। वहां सांस लेने लायक हवा नहीं है और तापमान इतने नीचे चले जाते हैं कि माइनस 100 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। इसके अलावा खतरनाक कॉस्मिक रेडिएशन लगातार ग्रह की सतह को

प्रभावित करता रहता है। ऐसे माहौल में इंसान ज्यादा देर तक बिना सुरक्षा जीवित नहीं रह सकता। दूसरी ओर रोबोट न तो ऑक्सीजन, पानी या भोजन पर निर्भर होते हैं और न ही रेडिएशन जैसी परिस्थितियों से तुरंत प्रभावित होते हैं। इसलिए मस्क के अनुसार वे मंगल मिशन की पहली ज़रूरत हैं। टेस्ला के ह्यूमनॉइड रोबोट ऑप्टिमस जैसे उन्नत मशीनों से उम्मीद है कि वे मंगल पर प्राथमिक ढांचा तैयार करेंगे। इनमें रहने योग्य शेल्टर, सोलर ऊर्जा संयंत्र, कम्युनिकेशन नेटवर्क और ऑक्सीजन उत्पादन यूनिट शामिल हैं। इसका मतलब है कि जब इंसान वहां पहुंचेंगे, उन्हें पूरी तरह बंजर या असुरक्षित वातावरण नहीं मिलेगा। मंगल पर संसाधनों की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती है। माना जा रहा है कि रोबोट ग्रह की जमीन के भीतर जमी बर्फ की तलाश करेंगे, जिसे पानी, ऑक्सीजन और रॉकेट ईंधन में बदला जा सकता है। यह न सिर्फ वहां रहने वाले मानवों के लिए ज़रूरी होगा, बल्कि भविष्य के स्पेस मिशनों के लिए भी महत्वपूर्ण संसाधन बन सकता है। इसके अलावा, मंगल पर सुरक्षित लैंडिंग करना भी बेहद जोखिम भरा है। वहां का पतला वातावरण और अनियमित सतह अक्सर मिशनों को खतरे में डाल देती है। रोबोट पहले जाकर स्टारशिप की लैंडिंग और कार्गो संचालन की वास्तविक परिस्थितियों में परीक्षण करने में मदद करेंगे, जिससे आगे होने वाली असफलताओं की संभावनाएं कम होंगी। एलन मस्क का मानना है कि 2050 तक मंगल पर 10 लाख लोगों का एक शहर बस सकता है। हालांकि वैज्ञानिकों का कहना है कि कम ग्रेविटी, अधिक रेडिएशन और मानव स्वास्थ्य पर इसके दीर्घकालीन प्रभाव अभी भी बड़े सवाल हैं।

सियासी विवाद के बीच बोले उदित राज कहा- टीपू महान समाज सुधारक थे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मालेगांव से शुरू हुआ टीपू सुल्तान की तस्वीर का विवाद अब एक बड़े राजनीतिक टकराव में तब्दील हो चुका है। इस मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा के बीच जुबानी जंग के साथ-साथ सड़कों पर भी हिंसा देखने को मिल रही है। हाल ही में कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद उदित राज ने 18वीं सदी के मैसूर शासक टीपू सुल्तान का समर्थन करते हुए उन्हें एक महान समाज सुधारक करार दिया है। उदित राज का यह बयान ऐसे समय में आया है जब महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता हर्षवर्धन सपकाल द्वारा टीपू सुल्तान की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से किए जाने पर पहले ही राज्य का सियासी पारा चढ़ा हुआ है। उदित राज ने अपने बयान में इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि टीपू सुल्तान ने दलितों और पिछड़ों के हक में बड़े सुधार किए थे। उन्होंने स्तन कर जैसी कुप्रथा का जिक्र करते हुए दावा किया कि टीपू सुल्तान ने शूद्र महिलाओं को अपना शरीर ढंकने का अधिकार दिलाने के लिए कड़ा संघर्ष किया था। उदित राज ने भाजपा और हिंदुत्ववादी संगठनों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जो लोग दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के उत्थान की बात करते हैं, ये संगठन उनसे नफरत करते हैं। उन्होंने सावरकर और गोलवलकर जैसे विचारकों का नाम लेते हुए कहा कि इतिहास में दलितों से नफरत करने वाले लोगों को आज प्रमोट किया जा रहा है। इस विवाद की शुरुआत मालेगांव की उप-महापौर शान-ए-हिंद निहाल अहमद के कार्यालय में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाने से हुई थी। शिवसेना (शिंदे गुट) के पार्षदों ने नीलेश अहेर के नेतृत्व में इसका पुरजोर विरोध किया और तस्वीर हटाने की मांग की।

एपस्टीन फाइल्स: 30 लाख पन्नों के दस्तावेज और रसूखदारों के भ्रष्ट तंत्र की खौफनाक हकीकत

वॉशिंगटन,एजेंसी। आधुनिक इतिहास में जेफरी एपस्टीन का नाम चापलूसी, घमंड, लालच और क्रूरता के सबसे वीभत्स प्रतीक के रूप में दर्ज हो चुका है। हाल ही में अमेरिकी न्यायिक विभाग द्वारा जारी किए गए 30 लाख से अधिक पन्नों के दस्तावेजों ने एक ऐसे गहरे और सड़े हुए तंत्र को बेनकाब किया है, जहां सत्ता और रसूख के नशे में चूर लोगों ने कानून को अपनी मुट्ठी में रखा और अनगिनत मासूम जिंदगियों को रौंद दिया। सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की मदद से इन विशाल फाइलों को विश्लेषण के योग्य बनाने के बाद जो तथ्य सामने आए हैं, वे केवल एक अपराधी की दास्तान नहीं हैं, बल्कि उस एलीट क्लास या कुलीन वर्ग का काला चिट्ठा हैं जो खुद को हर कानून और नैतिकता से ऊपर समझता था। साल 2019 में मैनहट्टन की जेल में जेफरी एपस्टीन की रहस्यमयी परिस्थितियों में हुई मौत के बाद पूरी दुनिया में भारी आक्रोश व्याप्त था। अमेरिकी कांग्रेस और जनता के निरंतर दबाव के बाद आखिरकार न्याय विभाग को ये

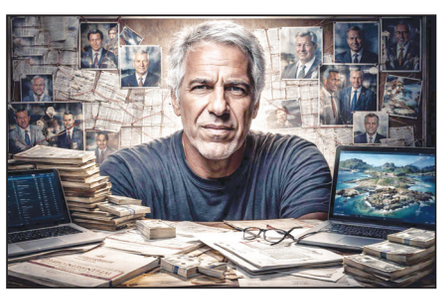

फाइलें सार्वजनिक करनी पड़ीं। यह डेटा इतना विशाल था कि इसे साधारण तरीके से पढ़ना लगभग असंभव था, लेकिन आधुनिक तकनीक ने इस आर्काइव की परतों को खोलना शुरू कर दिया है। इन दस्तावेजों से स्पष्ट होता है कि एपस्टीन केवल एक फाइनेंसर नहीं था, बल्कि वह दुनिया के सबसे ताकतवर और अमीर लोगों के लिए एक फिक्सर के रूप में काम करता था। उसके रसूख का इस्तेमाल करके हजारों कमजोर महिलाओं और लड़कियों की तस्करी की गई और सालों तक उनका शोषण होता रहा। यह खुलासा उस मेरिटोक्रेसी के भ्रम को भी चकनाचूर करता है, जिसमें माना जाता है कि सफल और बुद्धिमान लोग समाज का सही मार्गदर्शन करेंगे। एपस्टीन फाइल्स बताती हैं कि दुनिया के कई तथाकथित प्रतिभाशाली और प्रतिष्ठित व्यक्तित्व वासना और चापलूसी के जाल में बुरी तरह फंसे हुए थे। इन फाइलों का सबसे भयावह हिस्सा वह है, जिसमें यह प्रमाणित होता है कि कैसे सिस्टम ने जानबूझकर इस अपराधी का बचाव किया। दस्तावेजों में ऐसे साक्ष्य मौजूद हैं जहाँ उच्च पदों पर बैठे राजनेताओं, वैज्ञानिकों और उद्योगपतियों ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके एपस्टीन के खिलाफ होने वाली कानूनी जांचों को कमजोर किया। सार्वजनिक मंचों पर मानवाधिकारों और नैतिकता की दुहाई देने वाले कई चेहरे बंद दरवाजों के पीछे एपस्टीन के उस कुख्यात द्वीप का हिस्सा थे। हालांकि एपस्टीन की मौत के साथ कई राज हमेशा के लिए दफन हो गए, लेकिन इन फाइलों के सार्वजनिक होने से न्याय की एक नई उम्मीद जागी है। पीड़ित महिलाओं और लड़कियों के लिए केवल मुख्य आरोपी की मौत पर्याप्त नहीं है; उन्हें उस पूरे नेटवर्क के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की दरकार है जिसने एपस्टीन को फलने-फूलने का अवसर दिया। अब दुनिया भर के खोजी पत्रकार और कानूनी विशेषज्ञ इन लाखों पन्नों को खंगाल रहे हैं, जिससे आने वाले समय में कई बड़े नामों के बेनकाब होने की प्रबल संभावना है।जेफरी एपस्टीन की यह फाइलें केवल न्याय के इनकार की कहानी नहीं हैं, बल्कि मानवता के लिए एक गंभीर चेतावनी भी हैं। यह हमें बताती हैं कि जब अपार शक्ति और पैसा बिना किसी जवाबदेही के एक जगह केंद्रित हो जाता है, तो वह कितना विनाशकारी रूप ले सकता है। इन पीड़ितों को वास्तविक न्याय दिलाना अब केवल एक अदालती प्रक्रिया नहीं रह गई है, बल्कि यह वैश्विक नैतिकता और हमारे सामाजिक तंत्र की सबसे बड़ी परीक्षा है। आने वाले हफ्तों में जैसे-जैसे डेटा का विश्लेषण बढ़ेगा, सत्ता के गलियारों में छिपे कई और काले सच दुनिया के सामने आने तय हैं।

प्रदेश में मानव-वन्य जीव सह अस्तित्व के लिए उपयुक्त वातावरण निर्मित करना आवश्यक

प्रदेश में अन्य प्रदेशों के साथ आदान-प्रदान से बढ़ रही है वन्य जीवों की विविधता

विद्यार्थियों को वन और वन्य जीवों से परिचित कराने वाले अनुभूति कार्यक्रम का किया जाए विस्तार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई मध्यप्रदेश राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की बैठक

प्रदेश में वन्य जीव पर्यटन को किया जाए प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में वन्य जीवों के संरक्षण के दिशा में हो रहे बेहतर कार्य के परिणाम स्वरूप प्रदेश में वन्य जीवों की संख्या में वृद्धि हुई है। इस स्थिति में मानव-वन्य जीव सह अस्तित्व को प्रोत्साहित करने के लिए जनता को जागरूक करने तथा उन्हें आवश्यक सतर्कता बरतने के उपायों की जानकारी देना आवश्यक है। इसके साथ ही वन विभाग द्वारा पर्यटन विभाग से समन्वय करते हुए प्रदेश में वन्य जीव पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए गतिविधियां संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूली बच्चों को वन और वन्य जीवों से परिचित कराने के लिए संचालित किए जा रहे अनुभूति कार्यक्रम का विस्तार करने और इस गतिविधि में अधिक से अधिक शालाओं को शामिल करने की आवश्यकता बताई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की मंत्रालय में हुई 31वीं बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में वन राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, प्रमुख सचिव वन श्री संदीप यादव सहित वन विभाग के अधिकारी और वन्य प्राणी बोर्ड के सदस्य उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश से अन्य राज्यों को वन्य जीव उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके बदले में उन राज्यों से भी वन्य जीव मध्यप्रदेश लाए जाएं। इससे प्रदेश में वन्य जीवों की विविधता बढ़ेगी। उन्होंने वन्य जीव प्रबंधन में अन्य राज्यों द्वारा किए जा रहे नवाचारों और बेस्ट प्रेक्टिसेस को अपनाने की बात भी कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालयों तथा अन्य संस्थाओं को जोड़कर वन और वन्य जीव के संबंध में अध्ययन प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन क्षेत्र में विद्यमान पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण की श्रेष्ठ व्यवस्था हो, वन और पुरातत्व विभाग तथा इस क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्थाओं की कार्यशाला भी आयोजित की जाए। बैठक में प्रदेश में बढ़ रही हाथियों की संख्या को दृष्टिगत करते हुए हाथियों पर केंद्रित पर्यटन गतिविधियां संचालित करने के संबंध में चर्चा हुई।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरू श्री विजय मनोहर तिवारी ने हाथी प्रबंधन पर विश्वविद्यालय द्वारा आलेख लेखन का प्रस्ताव रखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सर्पदंश की घटनाओं में प्रभावितों की जान बचाने के उद्देश्य से प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम 2 व्यक्तियों को सांप पकड़ने तथा प्रभावित को बचाने के लिए प्रारंभिक रूप में सहायता करने संबंधी आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए। सांपों के संबंध में आवश्यक जागरूकता और सर्तकता बरतने के उपायों का भी प्रचार-प्रसार आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉग स्क्वाड में देशी नस्ल के डॉग शामिल करने के लिए भी पहल करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को वन्य प्राणी संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में उपलब्धियों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि गांधी सागर अभयारण्य, वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व और कूनो नेशनल पार्क में 846 कृष्ण मृग और 67 नीलगायों का सफल पुनर्स्थापन किया गया। वन विहार नेशनल पार्क भोपाल से 6 मगरमच्छों को ओंकारेश्वर क्षेत्र में उनके प्राकृतिक अवास में सफल रूप से छोड़ा गया। पेंच टाइगर रिजर्व से राम टाइगर रिजर्व राजस्थान के लिए एक मादा टाइगर भेजी गई है। इसी प्रकार असम से 50 जंगली भैंसें 3 समूह में 3 साल में गेंडे का जोड़ा और किंग कोबरा मध्यप्रदेश लाए जाएंगे और मध्यप्रदेश से टाइगर, मगरमच्छ तथा गौर असम को सौंपे जाएंगे। नामीबियाई मादा चीता आशा द्वारा दूसरी बार मां बनकर एक साथ 5 स्वस्थ चीता शावकों को जन्म दिया गया है। प्रदेश में अब चीतों की कुल संख्या 35 हो गई है। बैठक में बताया गया कि प्रदेश की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स और वन्य जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो नई दिल्ली की संयुक्त कार्यवाही के परिणाम स्वरूप 10 साल से वांछित अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर यांगचेन लाचुंगपा को भारत-चीन की अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास उत्तर सिक्किम में गिरफ्ता किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में बगदरा अभयारण्य, संजय टाइगर रिजर्व, सीधी के बफर जोन क्षेत्र विस्तार करने के संबंध में प्रस्ताव, पन्ना टाइगर रिजर्व, पद्मश्री डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर टाइगर रिजर्व, सोन घड़ियाल अभयारण्य, कूनो राष्ट्रीय उद्यान, श्योपुर, सतपुड़ा-पेंच टाइगर रिजर्व कॉरीडोर से संबंधित वन्य जीव अनुमतियों को अनुमोदन प्रदान किया गया।

दीन-दुखियों की सेवा का संकल्प प्रेरणादायी और अनुकरणीय : राज्यपाल

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि दीन-दुखियों की सेवा का संकल्प प्रेरणादायी एवं अनुकरणीय है। खरगौन-बड़वानी सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने माता-पिता के संस्कारों से प्रेरित होकर जो सेवा का संकल्प लिया है, वह अत्यंत पुण्य का कार्य है। उन्होंने सुशीला देवी उमराव सिंह पटेल सेवा संस्थान द्वारा पीड़ित मानवता की सेवा के लिये निरंतर किए जा रहे कार्यों की सराहना की। राज्यपाल पटेल सोमवार को बड़वानी के भिलट देव धाम, ग्राम नागलवाड़ी में सुशीला देवी उमरावसिंह पटेल सेवा संस्थान द्वारा सिकल सेल एनिमिया उन्मूलन एवं टी.बी. मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं पोषण आहार वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम से पूर्व स्थानीय भिलट देव धाम पहुँचकर पूजा-अर्चना भी की। राज्यपाल पटेल ने कहा कि संस्था द्वारा टी.बी. रोगियों को पोषण आहार वितरण, सिकल सेल जांच, व्यापक जागरूकता तथा विभिन्न प्रकार की जांच-परामर्श आदि सेवाएँ निःशुल्क प्रदान करना गरीब, वंचित और जरूरतमंदों की बड़ी मदद है। इससे ग्रामीण क्षेत्र की जनता को सीधा लाभ मिल रहा है।

'हर ग्रामझएक काम' जनकल्याण की सार्थक पहल

राज्यपाल पटेल ने इस अवसर पर सांसद अभियान अंतर्गत 'हर ग्रामझएक काम' का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत प्रत्येक पंचायत में केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं के माध्यम से जनकल्याणकारी कार्य करना सार्थक पहल है। यह अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ प्रभावी रूप से पहुँचाने का विशेष प्रयास है। राज्यपाल पटेल को बताया गया कि अभियान में सांसद प्रत्येक पंचायत में युवाओं, महिलाओं एवं नागरिकों से संवाद करेंगे। उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों एवं नवीन अवसरों का सृजन करेंगे। स्वरोजगार-रोजगार के नवाचार करेंगे। स्थानीय उद्योगों एवं लघु व्यवसायों को प्रोत्साहित भी किया जाएगा। राज्यपाल पटेल ने कार्यक्रम में सिकल सेल मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं टी.बी. मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निक्षय मित्र योजना के टी.बी. मरीजों को पोषण आहार वितरित किया। स्वास्थ्य शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा हृदय रोग, कैंसर, स्त्री रोग, स्तन कैंसर, नाक-कान-गला, हड्डी रोग, शिशु रोग, मूत्र रोग, नेत्र रोग एवं जनरल मेडिसिन संबंधी परामर्श प्रदान किया गया। ईको, ई.सी.जी., शुगर, हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, मोतियाबिंद एवं नेत्र परीक्षण, सर्वाइकल कैंसर, कोल्पोस्कोपी, पैप स्मियर तथा मैमोग्राफी आदि जांचें भी की गईं। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, अनुसूचित जनजाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य, सांसद रतलाम-झाबुआ श्रीमती अनिता नागरसिंह चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष बड़वानी बलवंतसिंह पटेल, पूर्व मंत्री प्रेमसिंह पटेल सहित श्रीमती नंदा ब्राह्मणे, अजय यादव, संस्था अध्यक्ष श्रीमती बसंती गजेंद्रसिंह पटेल, स्थानीय जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, चिकित्सक, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में खरगोन-बड़वानी संसदीय क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

बीएलओ से सीईओ तक सभी इलेक्शन कमीशन है

भोपाल । बीएलओ से लेकर चीफ इलेक्शन ऑफिसर तक सभी इलेक्शन कमीशन हैं। निर्वाचन में सभी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। भारत निर्वाचन आयोग के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ओ.पी. रावत ने यह बात सोमवार को प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के 32वें स्थापना दिवस समारोह में कही। श्री रावत ने "वन नेशन-वन इलेक्शन में स्थानीय निर्वाचन की भूमिका" विषय पर बोलते हुए कहा कि इस पर चर्चा 2015 में शुरू हई थी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इसमें सहमति व्यक्त की गयी थी। श्री रावत ने कहा कि "वन नेशन-वन इलेक्शन" को लागू करने पर भी राज्य निर्वाचन आयोग जरूरी होंगे।

ग्रिड स्थिरता रही बरकरार, लंबे आउटेज को टाला गया

400 के.व्ही. इंदौर-नागदा ट्रांसमिशन लाइन में लाइव लाइन मेंटेनेंस

भोपाल। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) की इंदौर टीम ने 400 के.व्ही. इंदौरझनागदा महत्वपूर्ण ट्रांसमिशन लाइन पर सफलतापूर्वक लाइव लाइन मेंटेनेंस कार्य कर सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। लगभग 200 मेगावाट पॉवर फ्लो वाली चालू लाइन पर यह कार्य संपन्न किया गया, जिससे न केवल ग्रिड की स्थिरता बनी रही, बल्कि 400 के.व्ही. लाइन के संभावित लंबे आउटेज को भी टाला जा सका। एम पी ट्रांसको, इंदौर की अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रीमती नीलम खन्ना ने बताया कि विगत दिवस 400 के.व्ही. इंदौरझनागदा लाइन के एक फेज में डिस्क इंसुलेटर स्ट्रिंग को बदलना आवश्यक हो गया था। महाशिवरात्रि पर्व के दौरान ग्रिड की स्थिरता प्रभावित न हो, इस उद्देश्य से कार्य को चालू लाइन में ही करने का निर्णय लिया गया।

वेयर हैंड तकनीक से हुआ मेंटेनेंस

व्हीकल-माउंटेड इंसुलेटेड एरियल वर्क प्लेटफॉर्म की सहायता से अत्याधुनिक हॉट-स्टिक उपकरणों और वेयर-हैंड तकनीक का उपयोग करते हुए यह कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस दौरान विद्युत आपूर्ति में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं आया।।

लाइव लाइन मेंटेनेंस का यह रहा फायदा

लाइव लाइन मेंटेनेंस करने से ग्रिड की विश्वसनीयता और स्थिरता बनी रही। साथ ही संभावित लंबे शटडाउन को टालते हुए इंदौर और नागदा क्षेत्र के बीच विद्युत आदान-प्रदान का विकल्प सुरक्षित रखा गया एवं ट्रांसमिशन चार्ज से संबंधित वाणिज्यिक क्षति से भी बचाव संभव हुआ।

इनका रहा विशेष योगदान

इंदौर के समीप राऊ क्षेत्र में ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस का नेतृत्व सहायक अभियंता श्री राजेन्द्र कनोजे ने किया। भोपाल, इटारसी और इंदौर के वेयर-हैंड प्रशिक्षित लाइन मेंटेनेंस स्टाफ मनाराम पटेल, जाधो पंवार, सुंदरलाल, मधुर मौसम रायकवार, गुलाबराव एवं दीपक कोरी ने समन्वित रूप से कड़े सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए अत्यंत सावधानी और दक्षता के साथ यह कार्य संपन्न किया।

एमपी में प्रवक्ता खोज रही कांग्रेस, 28 फरवरी तक बुलाए आवदेन

भोपाल। एमपी में कांग्रेस प्रवक्ताओं की खोजबीन में लगी हुई है। पार्टी ने इसके लिए टैलेंट हंट प्रोग्राम शुरू किया है। 28 फरवरी तक कांग्रेस प्रवक्ता बनने के इच्छुक लोग आवेदन कर सकते हैं। प्रवक्ताओं की खोजबीन और चयन के लिए टैलेंट हंट की जानकारी देने के लिए पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे, जयवर्द्धन सिंह, महेन्द्र जोशी, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया और मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

पटवारी ने पत्रकारों को दिया ऑफर– प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने नेशनल टैलेंट हंट कार्यक्रम के तहत पत्रकारों और मीडिया से जुड़े लोगों को कांग्रेस से जुड़ने का ऑफर दिया है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि पार्टी ऐसे प्रतिभाशाली लोगों की तलाश कर रही है, जो कांग्रेस की विचारधारा को मजबूती से रख सकें और प्रवक्ता की भूमिका निभा सकें। पटवारी ने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका बेहद अहम है और कई पत्रकार विपक्ष की आवाज को मजबूती से उठाते हैं। ऐसे में जो लोग कांग्रेस की विचारधारा से सहमत हैं, वे टैलेंट हंट के जरिए पार्टी से जुड़ सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया के तहत प्रवक्ताओं और मीडिया पैनलिस्ट का चयन किया जाएगा। आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 28 फरवरी रखी गई है और चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी।

लोकतंत्र और कांग्रेस की सोच को मजबूत करने वाले लोगों को मौका– नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि यह कार्यक्रम उन लोगों के लिए मंच है, जो लोकतंत्र और कांग्रेस की विचारधारा को मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की पहल पर शुरू किए गए इस प्रयास का उद्देश्य ऐसे प्रतिभाशाली लोगों को सामने लाना है, जो राजनीतिक मुद्दों पर स्पष्टता के साथ अपनी बात रख सकें। सिंघार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ऐसे प्रवक्ताओं का चयन करना चाहती है, जो शोध आधारित तथ्यों के साथ टीवी डिबेट और सार्वजनिक मंचों पर मजबूती से पार्टी का पक्ष रख सकें। उन्होंने इसे ह्वपत्थर में छिपे हीरे को तलाशनेह्व की शुरूआत बताया।

टैलेंट हंट: चयन प्रक्रिया और पद

मीडिया विभाग अध्यक्ष मुकेश नायक ने बताया कि टैलेंट हंट प्रक्रिया के तहत सीमित और गुणवत्ता-आधारित चयन किया जाएगा। इसके अंतर्गत केवल 20 प्रदेश प्रवक्ताओं के साथ कुछ मीडिया पैनलिस्ट चुने जाएंगे। संभाग और जिला स्तर पर दो-दो अधिकृत प्रवक्ता नियुक्त होंगे, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर दो पैनलिस्ट और एक विशेष अंग्रेजी मीडिया पैनलिस्ट का चयन किया जाएगा। योग्य उम्मीदवारों से प्रवक्ता, शोध कोऑर्डिनेटर और प्रचार-प्रसार कोऑर्डिनेटर के दायित्वों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह कार्यक्रम जिला, संभाग, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर तक प्रतिभाशाली युवाओं को पार्टी का प्रतिनिधित्व करने का अवसर देगा।

आवेदन और चयन प्रक्रिया– आज यानी 16 फरवरी से आवेदन फॉर्म जारी कर दिए गए हैं, जिनकी अंतिम तिथि 28 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। प्राप्त आवेदनों के आधार पर संभाग स्तर पर इंटरव्यू आयोजित होंगे। इंटरव्यू में एआईसीसी द्वारा नामित कोऑर्डिनेटर, टैलेंट हंट कमेटी के सदस्य, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और संबंधित जिला अध्यक्ष संयुक्त रूप से प्रतिभागियों का मूल्यांकन करेंगे।

मुख्तयारनामा, माइनिंग लीज, हलफनामा, पॉवर ऑफ अटार्नी जैसी 75 से अधिक सेवाओं का हो रहा है सायबर पंजीयन

नवाचार सुशासन के संकल्प की सिद्धि का प्रमाण संपदा 2.0 को मिला है वर्ष 2025 का राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पुरस्कार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया सायबर पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ

सायबर पंजीयन कार्यालय से पेपरलेस और कैशलेस प्रक्रिया को मिलेगा प्रोत्साहन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार विकास के साथ प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, शुचिता, तत्परता, नवाचार और जनकल्याण को प्रोत्साहन दे रही है। पंजीयन विभाग के सायबर पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ इसी संकल्प की सिद्धि का प्रमाण है। संपदा-1.0 और संपदा 2.0 के बाद प्रदेश में सायबर पंजीयन की प्रक्रिया का आरंभ होना तकनीक आधारित सुशासन की नई शुरूआत है। मध्यप्रदेश तेजी से बदल रहा है। मध्यप्रदेश भारत का पहला राज्य है, जिसने डिजिटल क्रांति के माध्यम से लोन, मुख्तयारनामा, माइनिंग लीज, हलफनामा, पावर आफ अटार्नी, पार्टनरशिप डीड जैसी 75 से अधिक सेवाओं के लिए सायबर पंजीयन प्रारंभ किया है। राज्य सरकार के इस नवाचार से पेपरलेस और कैशलेस प्रक्रिया को प्रोत्साहन मिल रहा है। यह नई पीढ़ी के लिए पर्यावरण और पारदर्शिता के मामले में महत्वपूर्ण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को पंजीयन भवन में सायबर पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ करने के बाद ये विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब शासन और उसके उपक्रमों के अंतरण दस्तावेज भी पेपरलेस रजिस्ट्रेशन के माध्यम से पूरे होंगे। हाउसिंग बोर्ड और विकास प्राधिकरण के अंतरण के लिए जनता को पंजीयन कार्यालय नहीं आना पड़ेगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से वीडियो केवायसी सहित सभी कार्य होंगे, इससे धन और समय दोनों की बचत होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि संपदा 2.0 के नवाचार को वर्ष 2025 का राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पुरस्कार मिला है। अब तक 14 लाख 95 हजार से अधिक दस्तावेजों का पंजीयन हो चुका है। राज्य सरकार ने 55 जिलों में सायबर तहसील परियोजना को लागू किया है, जिसमें राजस्व बंटवारा, नामांतरण की प्रक्रिया भी संपदा 2.0 से हो सकती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विभागीय अधिकारी सायबर पंजीयन सुविधा के माध्यम से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ मौजूदा वित्त वर्ष में अपने लक्ष्य पूरे करें। उप मुख्यमंत्री एवं वाणिज्यिक कर मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि वर्ष 2024-25 में दस्तावेजों के पंजीयन और ई-स्टाम्पिंग के लिए एडवांस सॉफ्टवेयर संपदा 2.0 लागू किया। इससे चल और अचल संपत्ति के दस्तावेज डिजिटल और पेपरलेस तरीके से पंजीकृत हो रहे हैं। कई दस्तावेज तो ऐसे हैं जिनके लिए उप-पंजीयक कार्यालय भी नहीं आना पड़ता है। सबसे पहले गुना,हरदा, रतलाम और डिण्डौरी जिलों में नए ई-पंजीयन और ई- स्थाम्पिंग सॉफ्टवेयर संपदा 2.0 का सफल पायलट प्रोजेक्ट चलाया गया था। प्रदेश के नवाचारों को देशभर में सराहा गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में जारी इन नवाचारों का लाभ प्रदेश के नागरिकों को मिल रहा हैं। पंजीयन से जुड़े कार्यों को त्रूटि रहित पूरा करने के लिए प्रदेशभर के 14 लाख कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्री अमित राठौर, प्रमुख सचिव श्री राघवेंद्र सिंह, महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक श्री अमित तोमर उपस्थित रहे। कार्यक्रम से जिलों के अधिकारी, बैंककर्मी और लाभार्थी वर्चुअली जुड़े।

स्वरोजगार ऋण योजनाओं के प्रकरणों में ऋण वितरण में गति लायें

जिला साख समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर ने दिये बैंकर्स को निर्देश.

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह स्वरोजगार योजनाओं के प्रेषित प्रकरणों में स्वीकृति और ऋण वितरण में गति लाने के निर्देश बैंकों के अधिकारियों को दिये हैं। श्री सिंह आज सोमवार को जिला साख समन्वय समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैंकर्स को अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के युवाओं के लिये संचालित स्वरोजगार योजनाओं के प्रकरणों में ऋण वितरण को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिये। कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई इस बैठक में ऐसे आवेदकों को भी बुलाया गया था स्वरोजगार योजनाओं के अंतर्गत जिनके प्रकरण बैंकों को प्रेषित किये गये हैं और लंबे समय से लंबित हैं। इन आवेदकों से उनकी कठिनाइयों की जानकारी ली गई और बैंकर्स को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये गये। जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत, लीड बैंक अधिकारी दिवाकर ठाकुर एवं स्वरोजगार योजनाओं से सभी विभागों के अधिकारी इस बैठक में मौजूद थे। बैठक में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना, डॉ अम्बेडकर कामधेनु योजना तथा अंत्यावसायी सहकारी समिति के माध्यम से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिये संचालित डॉ भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना, भगवान बिरसा मुंडा एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजनाओं में बैंकवार भेजे गये प्रकरणों, स्वीकृत प्रकरणों और स्वीकृत प्रकरणों में ऋण वितरण की स्थिति की समीक्षा की गई। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने बैठक में बैंक अधिकारियों से कहा कि स्वरोजगार योजनाओं के तहत भेजे गये प्रकरणों की उन्हें नियमित तौर पर समीक्षा करनी होगी और लक्ष्य के अनुरूप ऋण वितरण में गति लानी होगी। श्री सिंह ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रकरणों में ऋण वितरण में जोर देते हुये कहा कि बैंकर्स को ओर विशेष ध्यान होगा और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुये ज्यादा से ज्यादा आवेदकों को लाभान्वित करने के प्रयास करने होंगे। कलेक्टर ने बैठक मर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं पर भी बैठक में बैंक अधिकारियों से चर्चा की और ज्यादा से ज्यादा खाताधारकों का इन योजनाओं के तहत नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना का उल्लेख करते हुये कहा कि असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिये संचालित इस पेंशन योजना का भी व्यापक प्रचार प्रसार किया जाये और ज्यादा से ज्यादा श्रमिकों का इस योजना के तहत नामांकन किया जाए। बैठक में प्रारंभ में जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत ने स्वरोजगार योजनाओं के भेजे गये प्रकरणों के त्वरित निराकरण की अपेक्षा बैंकर्स से की। उन्होंने कहा कि प्रकरणों के निराकरण में बैंकर्स को सकारात्मक सोच और व्यवाहारिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। श्री गहलोत ने कहा कि स्वरोजगार योजना का कोई भी प्रकरण ऐसे कारणों से लंबित न रखे जाये जिनकी कोई आवश्यकता नहीं है। जिन प्रकरणों को स्वीकृत नहीं किया जा सकता बैंकर्स को ऐसे प्रकरण तुरंत वापस करना होंगे ताकि लक्ष्य के अनुरूप उन्हें दूसरे प्रकरण भेजे जा सकें।

महिला ध्यान विद्यापीठ का गौरवमयी स्वर्ण जयंती वर्ष

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मनमोहा, विभिन्न सामाजिक क्षेत्र की महिलाएं हुई शामिल

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

महर्षि महिला महाविद्यालय, नेपियर टाउन में महिला ध्यान विद्यापीठ के गौरवमयी स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें पूज्य गुरुदेव का श्रद्धापूर्वक पूजन में श्रीमती अनीता श्रीवास्तव इस स्वर्णिम उत्सव का हिस्सा बनी श्रीमती उषा गुप्ता, श्रीमती संगीता गुप्ता, श्रीमती सरिता चौकसे श्रीमती सुनयना जायसवाल ,श्रीमती मीना राय , श्रीमती शारदा राय, हरीश चौकसे, पर्व गुप्ता एवं अन्य महिलाएं एवं पुरुष इस कार्यक्रम का हिस्सा बनी गुरु कृपा प्राप्त की महिला ध्यान विद्यापीठ के इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में छात्रों द्वारा अपनी प्रस्तुति भी दी गई जिसमें श्रद्धा हल्दकर , प्रीति यादव, रितिका रजक ,साक्षी रैकवार शामिल रहे।

दिनांक 18 फरवरी से 21 फरवरी तक जलापूर्ति प्रभावित रहेगी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

नगर निगम के अधीक्षण यंत्री और जल विभाग के प्रमुख कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि नर्मदा जलप्रदाय योजनांतर्गत टाउनहॉल उच्चस्तरीय टंकी के लीकेज सुधार व टी बदलने का कार्य एवं आनंद नगर उच्चस्तरीय टैंक के डकफुट बैण्ड बदलने का अतिमहत्वपूर्ण कार्य किया जाना है। जिसके चलते दिनांक 18 फरवरी 2026 को सायंकालीन से दिनांक 21 फरवरी 2026 प्रातःकालीन तक दोनों उच्चस्तरीय टंकी से जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की जायेगी। उक्त अतिमहत्वपूर्ण कार्यो के संपादन के चलते क्षेत्रीय लोगों को होने वाली असुविधा के लिए महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, जल प्रभारी एम.आई.सी. सदस्य दामोदर सोनी एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने खेद व्यक्त किया है।

संत रामपाल का बोध दिवस : 21 जोड़ो का दहेज मुक्त विवाह

लाखों की तादाद में आए श्रद्धालु

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सतलोक आश्रम उड़दन,बैतूल में संत रामपाल जी महाराज जी के सानिध्य में रविवार से शुरू हुए महाविशाल भंडारे समागम का आज दूसरा दिन था। तीन दिनों तक चलने वाले इस महाविशाल समागम में लाखों की तादाद में भक्तगण आकर भंडारा प्रसादी ग्रहण कर रहे हैं समागम की शुरूआत अखंड पाठ की वाणी के साथ हुई। हर वर्ष संत रामपाल जी महाराज जी के सानिध्य में विशाल समागमों का आयोजन किया जाता है जिसमें पूरे विश्व को भंडारे के लिए आमंत्रित किया जाता है। इस बार संत रामपाल जी महाराज जी के बोध दिवस के उपलक्ष्य में 15 से 17 फरवरी तक महाविशाल समागम मनाया जा रहा है, जिसमें 3 दिवसीय महाविशाल भंडारा व संत गरीबदास जी महाराज जी की अमृतमय वाणी का खुला पाठ आयोजित किया गया है, साथ ही अन्य कार्यक्रम जैसे रक्त दान शिविर, दहेज मुक्त विवाह का आयोजन 16 फरवरी को किया गया। इस बार संत रामपाल जी महाराज जी के पावन सानिध्य में 21 जोड़ों का दहेज मुक्त विवाह संपन्न हुआ जो महज 17 मिनट में ही गुरुवाणी के माध्यम से संपन्न हुआ जिसमें किसी भी प्रकार का कोई बाहरी आडंबर देखने को नहीं मिला, वर व वधू ने साधारण कपड़े पहन रखे थे किसी भी प्रकार का कोई श्रंगार देखने को नहीं मिला। इस 3 दिवसीय समागम में आश्रम की ओर से प्रेरणादाई प्रदर्शनी भी लगाई गई है। इस प्रदर्शनी का भी भक्तों ने बढ़ चढ़कर अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी के माध्यम से संत रामपाल जी महाराज जी के संघर्ष के स्थान संत और परमात्मा के मिलन के बारे में बताया गया कि किस प्रकार संत रामपाल जी महाराज को कबीर परमात्मा सतलोक से आकर मिले और उन्हें सशरीर सतलोक भेजकर स्वयं संत रामपाल जी महाराज के रूप में तत्वज्ञान लोगों तक पहुंचा रहे हैं। इसके साथ ही विश्व प्रसिद्ध अन्नपूर्णा मुहिम की शुरूआत कैसे हुई यह जानकारी भी कट आउट प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को जानने को मिली। सतलोक आश्रम बैतूल में लाखों की तादाद में श्रद्धालु भंडारा लेने के लिए पहुँच रहे हैं। बताया जा रहा है कि सतलोक आश्रम बैतूल में कई अन्य राज्यों से संगत आ रही है जिसके कारण भीड़ भाड़ में किसी को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए भी पूरी व्यवस्था की गई है।

400 के.व्ही. ट्रांसमिशन लाइन में सफल लाइव लाइन मेंटेनेंस

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) की इंदौर टीम ने 400 के.व्ही. इंदौरझनागदा ट्रांसमिशन लाइन पर सफलतापूर्वक लाइव लाइन मेंटेनेंस कर ग्रिड विश्वसनीयता बनाए रखी। लगभग 200 मेगावाट पावर फ्लो वाली चालू लाइन पर डिस्क इंसुलेटर स्ट्रिंग को बिना शटडाउन के बदला गया, जिससे संभावित लंबे आउटेज को टाला जा सका। अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रीमती नीलम खन्ना ने बताया कि महाशिवरात्रि के दौरान ग्रिड स्थिरता प्रभावित न हो, इसलिए कार्य लाइव लाइन में ही करने का निर्णय लिया गया। व्हीकल-माउंटेड इंसुलेटेड एरियल वर्क प्लेटफॉर्म, हॉट-स्टिक उपकरणों और वेयर-हैंड तकनीक से मेंटेनेंस सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। लाइव लाइन मेंटेनेंस से विद्युत आपूर्ति निर्बाध रही, इंदौरझनागदा के बीच विद्युत आदान-प्रदान सुरक्षित रहा तथा मध्यप्रदेश को संभावित वाणिज्यिक क्षति से भी बचाव हुआ।

संस्कार और अनुशासन, राष्ट्रभावना की आधारशिला

भव्यता एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ वार्षिक उत्सव

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सरस्वती शिशु मंदिर जगदीश मंदिर गढ़ा फाटक का वार्षिक उत्सव समारोह सृजनोंत्सव हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि डॉ राजेंद्र कुडरिया कुलगुरु अवधेश प्रताप सिंह विश्व विद्यालय रीवा ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय संस्कार, अनुशासन और राष्ट्रभावना के निर्माण की सुदृढ़ आधारशिला होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में उच्च आदर्श स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। छात्र छात्राओं को जीवन जीने के मंत्र दिए विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ अभिलाष पांडे विधायक उत्तर मध्य विधान सभा एवं विद्यालय के पूर्व छात्र ने छात्र जीवन की यादें ताजा की छात्र छात्राओं को विधालय के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराया उन्होंने कहा कि इस विद्यालय ने देश को इंजीनियर डॉक्टर जन प्रतिनिधि शिक्षक व्यापारी प्रोफेसर दिए है। डॉ सुधीर अग्रवाल ने विद्या भारती की संकल्पना को बताया उन्होंने विद्याभारती से पढ़कर निकले हुए छात्रों की पदस्थपना कहा कहा है इसकी जानकारी दी । कार्यक्रम की अध्यक्षता एडवोकेट जिनेंद्र कुमार जैन ने की उन्होंने सभी अतिथियों के द्वारा दिए गए उद्बोधन का सार बताया। इस अवसर पर समिति उपाध्यक्ष एड सचिन अग्रवाल सचिव डॉ निलेश पांडे, डॉ अनुपम चौधरी एवं डॉ बृजेश दत्त अर्जरिया दीपांकर बैनर्जी इंद्र दत्त ऊरमालिया अभिषेक अग्रवाल रवींद्र जैन अभिषेक जसाटी। नितिन यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत, देशभक्ति गीत, नृत्य-नाटिका एवं प्रेरक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति का सजीव चित्र प्रस्तुत किया। छात्रा को डॉ वी के चौधरी स्वर्ण पदक 12 वी कक्षा में सर्वोच्च अंक अर्जित करने पर डॉ अनुपम चौधरी जी ने प्रदान किया। मेधावी छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्राचार्य शुभांगी नायक ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विद्यालय की वर्षभर की उपलब्धियों की जानकारी दी तथा सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

यूजीसी के समर्थन में सीम और पीएम के नाम ज्ञापन आज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

केंद्र सरकार एवं माननीय सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के अनुरूप तैयार किए गए यूजीसी बिल के समर्थन में आज शाम 3:30 बजे घंटाघर, जबलपुर पर एकत्र होकर राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। विशेष रूप से संयुक्त पिछड़ा वर्ग मोर्चा, अवाक्स, बौद्ध महासभा अखिलभरतीय अखिल भारतीय ओबीसी महासभा, सर्वजनजाती आदिवासीसंगठन, संविधान की रक्षा करने वाले वकील संगठन व अन्य अनेक सामाजिक संगठनों के प्रमुख साथी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों को रखा जाएगा और तत्पश्चात संबंधित अधिकारियों के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस ज्ञापन के माध्यम से यूजीसी बिल के समर्थन में सामाजिक संगठनों की ओर से अपना पक्ष रखते हुए इसके प्रभावी क्रियान्वयन की मांग की जाएगी। सभी सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं जागरूक नागरिकों से आग्रह है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाएं।

यह रहे आयोजक :

देवेश चौधरी, रामरतन यादव, बैजनाथ कुशवाहा, घनश्याम यादव, वृंदावन वर्मा, मनोज बाघमारे, तरुण रोहतास, तेज कुमार,इंद्र कुमार पटेल, नोखेलाल प्रजा, छोटे पटेल, रामराज पटेल, सुधीर नदेकर,धर्मेंद्र कुशवाहा, विनय भगत, संजय सेन, संतोष मराठा आदि ने उपस्थिति की अपील की है।

श्रीमद् भागवत से मिलती है ज्ञान और भक्ति : जगतगुरु नरसिंह देवाचार्य

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ के प्रथम दिवस श्रीराम मंदिर खैरी शहपुरा भिटौनी में पूज्य श्रीमद जगदगुरू नृसिंहपीठाधीश्वर डॉ स्वामी नृसिंहदेवाचार्य जी महाराज ने कहा कि श्रीमद्?भागवत की, जीब को अनेक जन्मों के पुण्यों के प्रभाव से प्राप्त होती है। मनुष्य का परम लक्ष्य है हमारे मन की शुद्धि हो तथा भगवान के चरणों की भक्ति प्राप्त हो, और भगवत कथा के अलावा कोई दूसरा उपाय नहीं है। श्रीमद्?भागवत ज्ञान वैराग्य के सहित भक्ति का भण्डार है। भक्ति का अभिप्राय है भगवान से पूर्ण विश्वास पूर्वक प्रेम हो जाना स्वामी जी ने बड़े भाव पूर्ण ढंग से ज्ञान वैराग्य व भक्ति के प्रसंग का बर्णन करते हुए देवर्षि नारद से सन?कादिकों के संवाद का वर्णन करते हुए कहा भक्ति कोई मूर्तिमान सत्ता नहीं, बल्कि भगवान के चरणो से निर्मल प्रेम ही भक्ति है। भगवान श्रीकृष्ण राधा की दिव्य झांकियों और पीत वस्त्र धारी कलश लेकर मातृशक्ति भव्य कलश यात्रा के बैंड बाजा के साथ बरम बाबा देवालय से राम मंदिर खैरी शहपुरा भिटौनी तक निकाली गई। व्यास पीठ पूजन मुख्य यजमान सुभाष सिंह गौर व कृपाल सिंह गौर, राजेश सिंह गौर, कृष्णपाल सिंह गोर . जयपाल सिंह गौर, अनूपाल सिंह गौर, शैलेन्द्र सिंह गौर, रोहित सिंह गीर अजय सिंह गौर, डा. दीपक सिंह गौर, विक्रम सिंह गौर, आदित्य सिंह गौर अभिराज सिंह गौर, युवराज सिंह गौर अमित टेहगुनिया एवं आचार्य रामफल शास्त्री की उपस्थिति रही

इंजी दुबे अध्यक्ष एवं इंजी वर्मा सचिव मनोनीत

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

राष्ट्रीय संस्था एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल ग्रेजुएट सिविल इंजीनियर्स के जबलपुर सिटी चैप्टर की स्थापना 14 जनवरी 2026 को हुई। जबलपुर सिटी चैप्टर मध्य प्रदेश के तीसरे और देश के 52 वें चैप्टर के रूप में स्थापित हुआ। जबलपुर चैप्टर की प्रथम कार्यकारिणी 14 फरवरी को मनोनीत की गई। जिसमें इंजी मनीष दुबे संस्था अध्यक्ष, इंजी दिनेश दवे उपाध्यक्ष, इंजी संजय वर्मा सचिव, इंजी संजीव जैन कोषाध्यक्ष, इंजी प्रदीप जायसवाल सहसचिव, इंजी दिनेश कोष्ठा सह कोषाध्यक्ष और कार्यकारिणी सदस्य के रूप मे इंजी सागर श्रीवास्तव एवं इंजी धर्मेंद्र ठाकुर मनोनीत किए गए । इंजी संजय वर्मा सिटी रिप्रेजेंटेटिव का अतिरिक्त प्रभार भी देखेंगे। प्रोफेशनल ग्रेजुएट सिविल इंजीनियर्स के मौलिक अधिकारों के लिए कार्यरत इस संस्था के पूरे देश में अब तक 55 चैप्टर स्थापित हो चुके हैं । राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं जबलपुर सिटी चैप्टर के संयोजक इंजी संजय सिंह ने मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

दो दिवसीय उर्स आज से, कव्वाली का आयोजन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मोमिनपुरा तलैया गोहलपुर स्थित दरगाह हजरत बहादुर अली शाह रह. अलै. तथा बाबा अब्दुल खालिक रह. अलै. का सालाना दो दिवसीय उर्स आज से प्रारंभ हो रहा है। दरगाह के बब्लू बाबा ने बताया कि सज्जादा इकरार हुसैन रशीदी की सरपरस्ती में आज मंगलवार को प्रातः 11 बजे दरगाह में गुस्ल के बाद दोपहर 3.30 बजे मोमिनपुरा से चादर जुलूस निकाला जाएगा जो गोहलपुर, मंसूराबाद, मछली मार्केट, नालबंद मोहल्ला, चार खंभा होते हुए दरगाह पहुंचेगा जहां चादर व गुलपोशी की जाएगी। तदोपरांत सायं 7 बजे से लंगर होगा। रात्रि 11 बजे से महफिलें कव्वाली में मुकामी कव्वाल अपने कलाम पेश करेंगे। उर्स के दूसरे दिन बुधवार को सायं 4 बजे से रंग महफि ल के कुल होगा तदोपरांत फतेहा के बाद उर्स का समापन होगा। सभी अकीदतमंदों से उपस्थिति की अपील दरगाह कमेटी ने की है।

गिग वर्करों की बुलंद होती आवाजः कल्याण और सुरक्षा की मांग तेज

सेवा क्षेत्र में तीन महीने से भी कम समय में हुईं तीन राष्ट्रव्यापी हड़ताल ध्यान आकर्षित करती हैं, भले ही यह एक संयोग ही क्यों न हो कि ये संगठित विरोध प्रदर्शन एक के बाद एक हुए। वर्ष 2025 के अंत में छुट्टियों के दौरान क्विक कॉमर्स कंपनियों में आंदोलन का पहला दौर शुरू हुआ। नए साल की पूर्व संध्या पर सैकड़ों डिलिवरी पार्टनर काम पर नहीं आए, जिससे दुकानों से ऑर्डर किए गए सामान को मंगवाने और 10 मिनट या उससे कम समय में ग्राहक के दरवाजे तक पहुंचाने का काम रुक गया। हड़ताल का उद्देश्य कामकाज के लिए बेहतर हालात और अधिक वेतन की मांग के अलावा उस त्वरित डिलिवरी पर रोक लगाना था, जो भारत में बेहद लोकप्रिय 10 मिनट की डिलिवरी का पर्याय बन गई है। डिलिवरी कर्मचारियों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर विचार करते हुए सरकार ने एक समाधान पेश किया। उसने कहा कि कंपनियों को 10 मिनट की डिलिवरी को मार्केटिंग या ब्रांडिंग टूल के रूप में इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। उसके बाद ये कर्मचारी निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑर्डर पहुंचाने के लिए वापस काम पर आ गए, हालांकि कंपनियां डिलिवरी के लिए समय-सीमा का वादा करने में सतर्क दिख रही हैं। दूसरी हड़ताल देश भर के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 27 जनवरी को हुई। बैंक यूनियनों के संयुक्त मंच ने बैंकों में पांच दिन के कार्य सप्ताह की मांग को लेकर हड़ताल का आह्वान किया था। बैंक फिलहाल एक छोड़कर एक शनिवार और सभी रविवार को बंद रहते हैं। सभी शनिवार को बैंक अवकाश के लिए सरकारी मंजूरी काफी समय से लंबित है। हालांकि हड़ताल से बैंक शाखाओं के कामकाज पर असर पड़ा, लेकिन डिजिटल लेनदेन के व्यापक उपयोग के कारण समग्र प्रभाव कम रहा। तीसरी हड़ताल परिवहन क्षेत्र में हुई। उबर, ओला, रैपिडो जैसे कैब एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म पर काम करने वाले ड्राइवर (जिन्हें ड्राइवर पार्टनर भी कहा जाता है) न्यूनतम किराया तय करने और व्यावसायिक उपयोग के लिए निजी वाहनों के दुरुपयोग को रोकने की मांग को लेकर 7 फरवरी को हड़ताल पर चले गए। ये प्लेटफॉर्म बड़े और छोटे शहरों में हजारों लोगों के लिए जीवन रेखा हैं। हड़ताल का आह्वान तेलंगाना गिग ऐंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन ने किया था, जिसने छह घंटे के इस आंदोलन को ऑल इंडिया ब्रेकडाउन बताया। इस यूनियन ने आरोप लगाया कि मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशानिर्देश लागू होने के बावजूद राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म मनमाने ढंग से किराया तय करते हैं। शिकायत का मुख्य कारण आय की अनिश्चितता को लेकर चिंता थी। गौर करने वाली बात यह है कि तीन में से दो हड़तालें गिग इकॉनमी से संबंधित हैं, जिस पर नई श्रम संहिताओं में काफी ध्यान दिया गया है और जिसका उल्लेख आर्थिक समीक्षा 2025-26 और केंद्रीय बजट 2026-27 में प्रमुखता से किया गया है। संसद द्वारा अनुमोदित होने के लगभग पांच वर्ष बाद नवंबर 2025 में अधिसूचित श्रम संहिताओं ने गिग और प्लेटफॉर्म वर्करों को कानून में औपचारिक मान्यता प्रदान की। इसके साथ ही गिग वर्करों के लिए बीमा सहित सामाजिक सुरक्षा लाभों का वादा भी किया गया। प्लेटफॉर्म मालिकों और एग्रीगेटरों को गिग वर्करों के लिए सामाजिक सुरक्षा कोष स्थापित करने के वास्ते अपने वार्षिक कारोबार के एक छोटे हिस्से का अंशदान करने का आदेश दिया गया। श्रम कानून लागू होने से सुधारों की प्रक्रिया शुरू होते ही डिलिवरी कर्मचारियों ने क्विक कॉमर्स मॉडल को समाप्त करने की मांग उठाई, जिससे कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर हलचल मच गई। शायद यह उस समय के सबसे बड़े सरकारी सुधारों में से एक के बाद, गिग क्षेत्र के सशक्त होने का संकेत था। साथ ही, इसने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के मालिकों को यह संदेश भी दिया कि उन्हें कर्मचारियों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। जिस तरह डिलिवरी कर्मचारियों की हड़ताल और श्रम संहिता पर कार्रवाई लगभग एक ही समय हुई, उसी तरह कैब एग्रीगेटरों के ड्राइवरों का आंदोलन आर्थिक समीक्षा और केंद्रीय बजट में गिग वर्करों पर की गई घोषणाओं के लगभग एकदम बाद हुआ। आर्थिक समीक्षा में गिग वर्करों के वास्ते कामकाज के हालात में सुधार लाने के श्रम संहिता के उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए एक नीति की आवश्यकता पर बल दिया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि लगभग 40 फीसदी गिग वर्कर प्रति माह 15,000 रुपये से कम कमाते हैं। इसमें प्लेटफॉर्म मालिकों के हाथों में सत्ता के केंद्रीकरण की ओर भी ध्यान दिलाया गया। यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे गिग वर्करों ने अपनी हाल की दोनों हड़तालों में उठाया था। गिग वर्करों के लिए सामाजिक सुरक्षा संहिता (श्रम संहिता का एक भाग) के तहत मिलने वाले लाभों को स्वीकार करते हुए, समीक्षा में अन्य मुद्दों के साथ-साथ श्रमिकों के वर्गीकरण पर चिंता व्यक्त की गई। नए कानून में गिग और प्लेटफॉर्म वर्करों को एक ही श्रेणी में रखा गया है। समीक्षा में तर्क दिया गया कि यह कार्यबल कौशल के आधार पर अत्यधिक बंटा हुआ है, जिससे पता चलता है कि एक ही नियम सभी पर लागू नहीं हो सकता। केंद्रीय बजट 2026-27 में साल 2025 में घोषित श्रम सुधारों को आगे बढ़ाते हुए देश में लगभग 1 करोड़ गिग वर्करों के लिए पहचान पत्र और स्वास्थ्य सेवा कवरेज की शुरूआत की गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने भाषण में कहा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर गिग वर्कर भारत के नए युग की सेवा अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं॒ उन्होंने गिग वर्करों के पंजीकरण के लिए ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण और अन्य कल्याणकारी कदमों की घोषणा की।

ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि अमेरिका-भारत-यूरोपीय संघ यानी जी-7 प्रभुत्व वाले प्रेम त्रिकोण और भारत-रूस-चीन यानी ब्रिक्स देश वाले प्रेम त्रिकोण के बीच भारत कब, कैसे और कितना गुटनिरपेक्ष संतुलन बना पाएगा, अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बरकरार रख पाएगा? क्योंकि सब कुछ इन्हीं द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बातों-मुलाकातों पर निर्भर करेगा। दुनिया के दो बड़े लोकतंत्र और पहली-चौथी अर्थव्यवस्था वाले देश अमेरिका व भारत में पुनः प्रेम के पींगे परवान चढ़ने शुरू हो गए। तमाम अंतर्राष्ट्रीय व द्विपक्षीय विरोधाभासों के बीच पारस्परिक सहयोग के विभिन्न जटिल पहलुओं पर जो रजामंदी दिखाई गई और फिर यह तय हुआ कि धीरे धीरे प्यार को बढ़ाना है, हद से गुजर जाना है! जिसके अपने वैश्विक निहितार्थ हैं। शायद इसी हद पर वसुधैव कुटुम्बकम और सर्वे भवंतु सुखिनः की गारंटी निर्भर है।

ट्रंप-मोदी के आपसी रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलने के द्विपक्षीय व वैश्विक मायने

ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि अमेरिका-भारत-यूरोपीय संघ यानी जी-7 प्रभुत्व वाले प्रेम त्रिकोण और भारत-रूस-चीन यानी ब्रिक्स देश वाले प्रेम त्रिकोण के बीच भारत कब, कैसे और कितना गुटनिरपेक्ष संतुलन बना पाएगा, अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बरकरार रख पाएगा? क्योंकि सब कुछ इन्हीं द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बातों-मुलाकातों पर निर्भर करेगा।

इसलिए कूटनीतिक हल्के में इस बात की आशंका अभी से ही जताई जा रही है कि आखिर अमेरिका कब तक अपने इस परिवर्तित स्टैंड पर कायम रहा पाएगा? क्या भारत को हांकने या फंसाने की उसकी फितरत बदल पाएगी? और यदि नहीं तो फिर नए भारत की उस पर क्या सधी प्रतिक्रिया होगी? जैसा कि भारत ने रणनीतिक ट्रेलर अमेरिका को दिखा भी दिया है जिसकी वजह से बिगड़ैल ट्रंफ 9 महीने बाद ही सही पर पुनः काबू में आए हैं। ऐसा इसलिए कि भारत के पास द्विपक्षीय विकल्पों की कमी नहीं है!

इस प्रकार देखा जाए तो डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी के बीच के संबंध जो साल 2025 की गर्मियों में व्यापारिक तनाव, रूस से भारत के भरोसेमंद संबंधों और टैरिफ पर टैरिफ युद्ध के कारण ठंडे पड़ गए थे, अब फरवरी 2026 आते आते गर्म होने लगे हैं। अब इनके बीच का वासंतिक प्रेम पुनः जाग गया है और आर्थिक रुमानियत और रणनीतिक अठखेल पुनः परवान चढ़ने के संकेत मिलने लगे हैं।

जहां तक मोदी-ट्रंफ के बीच के तनाव के मुख्य कारणों की बात है तो 2025 में ट्रंप ने भारत के निर्यात पर 50त्न तक टैरिफ बढ़ा दिए, खासकर टेक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स और जेम्स पर, जिससे द्विपक्षीय व्यापार वार्ता रुक गई। समझा जाता है कि भारत का रूस से तेल और हथियार खरीदना अमेरिका को पसंद नहीं आया, जबकि पाकिस्तान के प्रति ट्रंप का नरम रुख भी विवादास्पद रहा। वहीं, चुनावी राजनीति और अमेरिका फर्स्ट नीति ने व्यक्तिगत रसायन को प्रभावित किया।

और अब जब मोदी-ट्रंप के आपसी रिश्ते पर जमी बर्फ के पिघलने की प्रक्रिया की बात हुई तो बताया गया कि ट्रंप ने सितंबर 2025 में ही मोदी की तारीफ की और रिश्तों को खास बताया, जिसका मोदी ने सोशल मीडिया पर जवाब भी दिया। भारत की चुप्पी कूटनीति और एससीओ (एससीओ) जैसे मंचों पर मजबूत स्थिति और भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) 50 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो गया, जिसमें रूसी तेल से जुड़ा 25 प्रतिशत दंड समाप्त हुआ।

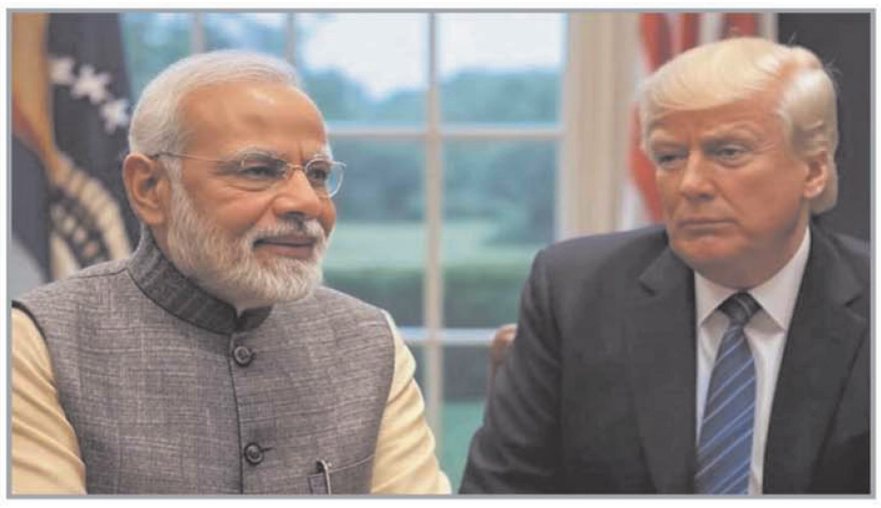

जहां तक इनको सुलझाने की प्रक्रिया की बात है तो बेहद लंबी वार्ताओं के बाद (अगस्त 2025 से जनवरी 2026 तक) फोन कॉल ने अंतिम मुहर लगाई। भारत ने कृषि, डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्र बचाए, जबकि अमेरिका को व्यापार घाटा कम करने का लाभ मिला। यह द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाने का रास्ता साफ करता है।

इस प्रकार ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ (खासकर रूसी तेल खरीदने के कारण) अब पूरी तरह हटाए लिए गए हैं, क्योंकि हालिया टेलीफोनिक वार्ताओं से सकारात्मक प्रगति हुई है। सितंबर 2025 में भारत-अमेरिका के बीच 7 घंटे की बैठक के बाद चर्चाएं तेज हुई, जहां 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ हटाने पर सहमति बनी। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन ने कहा कि 8-10 हफ्तों में विवाद सुलझ सकता है, जिसमें रेसिप्रोकल टैरिफ भी घटेंगे।

इसलिए फरवरी 2026 तक ट्रंप-मोदी फोन कॉल ने गति दी, लेकिन पूर्ण समाधान एससीओ जैसे मंचों पर निर्भर है। फिर भी चुनौतियां अभी बाकी हैं। 50त्न टैरिफ स्टील, एल्यूमीनियम, टेक्सटाइल पर अभी प्रभावी हैं, हालांकि निर्यात में 20 प्रतिशत वृद्धि हुई। अमेरिकी सांसदों ने इन्हें खत्म करने की मांग की, लेकिन ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति बाधा बनी हुई है।

इस प्रकार भारत अमेरिका डील के द्विपक्षीय मायने स्पष्ट हैं। भारत और अमेरिका के बीच हालिया डीलें, विशेष रूप से रक्षा और व्यापार समझौते, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण हैं। ये डीलें रणनीतिक साझेदारी को गहरा करती हैं, भले ही टैरिफ जैसे विवाद बने रहें। खासकर रक्षा समझौते का अपना महत्व हैं। भारत-अमेरिका ने 10 साल के रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो 2015 की रणनीतिक साझेदारी पर आधारित है। यह क्षेत्रीय स्थिरता, सूचना साझाकरण और हिंद-प्रशांत में चुनौतियों (जैसे चीन का प्रभाव) का सामना करने के लिए आधारशिला बनेगा। टैरिफ तनाव के बावजूद रक्षा सहयोग बढ़ रहा है।

जहां तक व्यापार डील की प्रगति की बात है तो दोनों देश 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखते हैं, जिसमें हाल ही में ट्रंप ने भारत पर टैरिफ 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया। जबकि, दूध, कृषि और डेटा स्थानीयकरण जैसे मुद्दों पर बातचीत जारी है, लेकिन रेसिप्रोकल टैरिफ और जीएसपी लाभ बहाली चुनौतियां बनी हुई हैं। पहला चरण सितंबर-अक्टूबर 2025 तक पूरा करने की कोशिश थी।

इन बातों का द्विपक्षीय प्रभाव यह पड़ेगा कि ये डीलें आर्थिक निर्यात बढ़ावा, रोजगार सृजन और रक्षा तकनीक हस्तांतरण लाएंगी। भू-राजनीतिक ट्रेड डील ने अमेरिका को भारत की अहमियत समझाई। लिहाजा, फरवरी 2026 में ही ट्रंप की मोदी से फोन कॉल ने जमी बर्फ को पूरी तरह पिघला दिया, जिससे ट्रेड डील की राह आसान हुई।

कहना न होगा कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील में टैरिफ विवाद फरवरी 2026 में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की फोन वार्ता से सुलझा। अमेरिका ने भारत पर टैरिफ 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया, जबकि भारत ने रूसी तेल खरीद बंद करने और अमेरिकी उत्पादों पर जीरो टैरिफ का वादा किया। इस समझौते की मुख्य शर्तें इस प्रकार हैं- ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर घोषणा की कि मोदी के अनुरोध पर तत्काल प्रभाव से रेसिप्रोकल टैरिफ कम किया गया। रूस से तेल आयात रोकना, अमेरिका/वेनेजुएला से अधिक खरीद, और नॉन-टैरिफ बैरियर्स हटाना प्रमुख रियायतें रहीं। कुल टैरिफ

डॉ दर्शनी प्रिय की पुस्तक को उपसभापति हरिवंश ने किया लोकार्पित

'प्रधानमंत्री मोदी के अनमोल रत्न' पुस्तक का हुआ भव्य लोकार्पण

नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब के डिप्टी चेयरमैन हॉल में एक महत्वपूर्ण पुस्तक का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 'प्रधानमंत्री मोदी के अनमोल रत्न' पुस्तक का अनावरण किया गया। देश की जानी-मानी लेखिका और पत्रकार डॉ. दर्शनी प्रिय द्वारा लिखी गई यह पुस्तक 35 असाधारण पद्म श्री पुरस्कार विजेताओं के जीवन की गहराई से पड़ताल करती है, जिनकी जीवंत कहानियाँ 'नए भारत' की संवेदनात्मक भावना को दर्शाती हैं। अगली पीढ़ी को एक विरासत के रूप में थाती प्रदान करती इस पुस्तक के सामाजिक निहितार्थ है। डॉ दर्शनी की एक लेखिका के तौर पर इसमें खास मेहनत दिखती है ।उनके प्रयास से असली जननायकों को हम जान रहें तो वे अंधेरी गलियों में गुमनाम हो जाते। इस समारोह में राज्यसभा के माननीय उपसभापति हरिवंश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहबाज हुसैन सहित राज्यसभा की सांसद सुशीला गुप्त भी उपस्थिति रही। अतिथियों ने पद्म सम्मान प्रणाली में हुए परिवर्तनकारी बदलाव पर प्रकाश डाला, जो विशेषाधिकार के बजाय योग्यता और जमीनी स्तर पर प्रभाव को प्राथमिकता देने वाले 'पीपल पद्म' की ओर बढ़ रहे है।' कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पद्म श्री पुरस्कार विजेता विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए, जो भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त उत्कृष्टता के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं :पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव भी कार्यक्रम में मौजूद रही। कला के क्षेत्र में एक जानी-मानी हस्ती, जो भारतीय लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के प्रति अपने समर्पण के लिए जानी जाती हैं ।पद्म श्री पुरस्कारों का महत्व हाल के दिनों में सत्ता की सार्थक पैरोकारी से बढ़ा है ।पद्म श्री भारत गणराज्य का चौथा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। 1954 में अपनी स्थापना के बाद से, यह कला, समाज सेवा, सार्वजनिक मामलों, विज्ञान और साहित्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में 'विशिष्ट सेवा' का प्रतीक बन गया है।

वर्तमान प्रशासन के तहत, चयन प्रक्रिया में एक बड़ा श्बदलाव आया है : अब जमीनी स्तर पर 'अनाम नायकों' पर जोर दिया जाता है – देश के दूरदराज के कोनों में काम करने वाले व्यक्ति जिनके योगदान पर ऐतिहासिक रूप से ध्यान नहीं दिया गया है।

जन-भागीदारी : नामांकन प्रक्रिया अब जनता के लिए खुली है, जिससे यह वास्तव में एक लोकतांत्रिक 'जन आंदोलन' बन गया है।

समग्र प्रभाव : पेशेवर उत्कृष्टता से परे, समिति एक 'सार्वजनिक सेवा के तत्व' की तलाश करती है जिसने लोगों के जीवन को छुआ हो और सामुदायिक लचीलापन बनाया हो। किताब के बारे में 'प्रधान मंत्री मोदी के अनमोल रत्न' उन लोगों को एक जीवनी के रूप में श्रद्धांजलि है जिन्हें ये प्रतिष्ठित सम्मान मिले हैं। डॉ. दर्शनी प्रिय का काम देश के इन 'रत्नों' के साहस, दृढ़ संकल्प और निस्वार्थ सेवा को दिखाता है, जो पाठकों को भारत की प्रगति को आगे बढ़ाने वाली विविध प्रतिभाओं की झलक देता है ।ये पुरस्कार विजेता सिर्फ़ पदक पाने वाले नहीं हैं ; वे भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक संपदा के जीते-जागते प्रतीक हैं। यह किताब उनकी प्रेरणादायक यात्राओं को हर घर तक पहुँचाने का एक प्रयास है।

त्वरित विकास को समर्पित कल्याणकारी केन्द्रीय बजट

पूँजीगत खर्च के जरिये अवस्थापना क्षेत्र के विकास ने विकास को तेज करने और रोजगार को बढ़ाने में उल्लेखनीय तौर पर योगदान दिया है। इंफ्रास्ट्रक्चर आर्थिक विकास में धमनियों का कार्य करता है। इसलिए यह कहने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि इन्फ्रास्ट्रक्चर पर मोदी सरकार द्वारा किया गया निवेश लगातार विकास का इंजन बना हुआ है। एक ओर जहाँ केन्द्र सरकार स्वयं पूंजीगत व्यय को बढ़ा रही है; वहीं दूसरी ओर राज्य सरकारों को भी अनुदान व ऋण देकर उनके पूँजीगत खर्च को बढ़ाने में मदद कर रही है। वर्ष 2025-26 की तुलना में 2026-27 के बजट में पूँजीगत आवंटन में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए संसद में पेश किया गया गया बजट देश के त्वरित विकास को समर्पित कल्याणकारी बजट है। इस बजट में समाहित प्रस्तावों में आर्थिक विकास की गति को बढ़ाने और उसे निरन्तर बनाये रखने पर जोर दिया गया है। साथ ही, लोककल्याण के लिए बजट प्रस्तावों पर भी पर्याप्त बल दिया गया है। वित्तमंत्री ने अपने बजट भाषण में तीन कर्तव्यों को उजागर किया। ये हैं : (?) अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों के प्रति लचीलेपन में वृद्धि करते हुए आर्थिक विकास को गति प्रदान करना और उसे बनाये रखना; (द्वद्व) जन आकाँक्षाओं की पूर्ति और उनकी क्षमताओं का वर्द्धन करना एवं (द्वद्वद्व) देश के प्रत्येक परिवार, समुदाय, क्षेत्र और वर्ग तक संसाधनों, सुविधाओं तथा अवसरों की पहुंच को सुनिश्चित करना। इस तरह ये कर्तव्य मोदी सरकार की सर्वसमावेशी एवं पोषणीय विकास की रणनीति को सुस्पष्ट रूप में परिभाषित करते हैं। ध्यातव्य है कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के केन्द्र में एक ओर आर्थिक संवृद्धि की गति को तेज करना रहा है वहीं दूसरी तरफ सापेक्षतया वंचित लोगों एवं क्षेत्रों को उनकी क्षमता व सामर्थ्य को बढ़ाते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा में शामिल करना रहा है। इस दृष्टि से यह कहना समीचीन है कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास' का ध्येय वाक्य लोकनीतियों के प्रतिपादन एवं कार्यान्वयन का नाभिकेन्द्र रहा है। इसमें आर्थिक समृद्धि एवं लोककल्याण में वृद्धि स्वतः विहित रहे हैं।

मोदी सरकार द्वारा संरचनात्मक आर्थिक सुधारों का मूल विचार 'रिफार्म, परफार्म व ट्रॉन्सफार्म' रहा है। इस बजट में भी, बजट प्रावधानों को अधिक परिणामोन्मुखी बनाने के लिए सुधारों के क्रम को जारी रखा गया है। 'विकसित भारत' के महालक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस बजट में कृषि व ग्रामीण अर्थव्यवस्था, मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र, एमएसएमई, ओडीओपी, रिन्यूबल व न्यूक्लियर एनर्जी, सेमिकंडक्टर, आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स, जलमार्ग व रेल विकास, डिकार्बनाइजेशन, निर्यात संवर्द्धन, रक्षा क्षेत्र इत्यादि संभावनापूर्ण क्षेत्रों एवं तत्सम्बन्धी क्रियाओं के संवर्द्धन व विकास के लिए वित्तमंत्री द्वारा प्राथमिकता के आधार पर अपेक्षित आवंटन किए गये हैं। साथ ही, मानव पूँजी के निर्माण से सम्बन्धित क्षेत्रों यथा शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला, युवा और दिव्यांग सशक्तिकरण पर पर्याप्त बल दिया गया है। वस्तुतः, मानव पूँजी के बेहतर विकास से राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा जनकल्याण में वृद्धि होगी।

वित्तमंत्री ने इस बजट में राजकोषीय सुदृढ़ीकरण को जारी रखते हुए इस पर विशेष बल दिया है। हाल के वर्षों में जीडीपी के सापेक्ष राजकोषीय घाटा में निरन्तर गिरावट से इस बात की पुष्टि होती है कि मोदी सरकार का राजकोषीय प्रबन्धन सम्बन्धी निष्पादन श्लाघनीय रहा है। वर्ष 2021-22 में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 6.7 प्रतिशत; 2022-24 में 6.5 प्रतिशत 2023-24 में 5.5 प्रतिशत; 2024-25 में 4.8 प्रतिशत एवं 2025-26 में 4.4 प्रतिशत था। इसे 2026-27 के बजट में कम करके 4.3 प्रतिशत पर रख गया है। ये प्रवृत्तियाँ राजकोषीय व्यवस्था की मजबूती की परिचायक हैं।

मोदी सरकार की राजकोषीय प्रवीणता एवं बेहतर वित्तीय प्रबंधन का ही परिणाम है कि जीडीपी के सापेक्ष राजकोषीय घाटा निरन्तर घटा है। साथ ही, वित्तमंत्री इस बात में भी सफल रही हैं कि उन्होंने इस बजट में जीडीपी के सापेक्ष केन्द्र सरकार के ऋण को 55.6 प्रतिशत पर रखा है। यह वर्ष 2025-26 के लिए 56.1 प्रतिशत रखा गया था। साथ ही, इस बजट में जीडीपी के सापेक्ष राजस्व घाटा एवं प्राथमिक घाटा में भी कमी आई है। घटते घाटे एवं ऋण से निजी पूँजी निवेश में वृद्धि होगी।

इस बजट में, राजस्व में सतत वृद्धि; पूँजीगत व्यय में वृद्धि और राजकोषीय पारदर्शिता में सुधार के संकेतकों से भी देश की राजकोषीय सुदृढ़ता की पुष्टि होती है। पूँजीगत खर्च के जरिये अवस्थापना क्षेत्र के विकास ने विकास को तेज करने और रोजगार को बढ़ाने में उल्लेखनीय तौर पर योगदान दिया है। इंफ्रास्ट्रक्चर आर्थिक विकास में धमनियों का कार्य करता है। इसलिए यह कहने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि इन्फ्रास्ट्रक्चर पर मोदी सरकार द्वारा किया गया निवेश लगातार विकास का इंजन बना हुआ है। एक ओर जहाँ केन्द्र सरकार स्वयं पूंजीगत व्यय को बढ़ा रही है; वहीं दूसरी ओर राज्य सरकारों को भी अनुदान व ऋण देकर उनके पूँजीगत खर्च को बढ़ाने में मदद कर रही है। वर्ष 2025-26 की तुलना में 2026-27 के बजट में पूँजीगत आवंटन में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यदि राज्यों को दी जाने वाली अनुदान राशि को भी जोड़ लिया जाय तब प्रभावी पूँजीगत व्यय की वृद्धि 22 प्रतिशत बैठती है। इस तरह मोदी सरकार की यह विचारणा सुस्पष्ट होती है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर की मजबूती आर्थिक उन्नति का मूलाधार है। इस बजट में कुछ विशिष्ट क्षेत्रों क्षेत्रों में पूँजीगत व्यय की वृद्धि दरें इस तरह हैंः टेलीकॉम 97 प्रतिशत; रक्षा 18 प्रतिशत; रेलवे 10 प्रतिशत; सड़क व हाईवे 8 प्रतिशत एवं आवास व नगरीय विकास 6 प्रतिशत। यह तथ्य यह भी दर्शाते हैं कि बेहतर राजकोषीय प्रबन्धन से अब विकासगामी क्रियाओं के लिए अधिक वित्तीय संसाधन उपलब्ध हो रहे हैं।

जीडीपी के सापेक्ष सरकारी ऋण भार को घटाकर 2030-31 तक 50 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य रखा गया है। स्पष्ट है कि इससे आगामी वर्षों में अवस्थापना के विकास के लिए और अधिक 'फिस्कल स्पेस' मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि पूँजीगत व्यय में मोदी सरकार द्वारा की गई वृद्धि से आय में तो कई गुना वृद्धि होती ही है, इससे रोजगार में भी उल्लेखनीय तौर पर वृद्धि होती है। इस बजट में छोटे, मझोले एवं धार्मिक नगरों के विकास के लिए भी प्रावधान किए गये हैं। नगरीय क्षेत्रों में जन सुविधाओं के बेहतर विकास से जनजीवन सुगम व स्वस्थ होगा। साथ ही, इसके विकास से कारोबार सुगम होगा, इसमें वृद्धि होगी। धार्मिक व साँस्कृतिक स्थलों के उन्नयन से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा देश-विदेश से पर्यटकों की आवाजाही से आर्थिकी सशक्त होगी। इस बजट में हास्पिटेलिटी तथा हेल्थ टूरिज्म से भी लोगों की आजीविका के स्रोतों में वृद्धि, रेल एवं जलमार्गों के विकास एवं अपग्रेडेशन से लाजिस्टिक्स की लागतें घटेंगी। इससे व्यापार में वृद्धि तो होगी ही, साथ ही आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी और अर्थव्यवस्था की स्पर्धात्मकता में वृद्धि से निर्यात-प्रेरित निवेश होगा।

इस बात का उल्लेख करना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि इस बजट में अवस्थापना क्षेत्र के विकास के लिए 12.20 लाख करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। यह एक बड़ी धनराशि है। इससे विकास की गति को तेज करने तथा रोजगार को बढ़ाने में महती सहायता मिलेगी। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के अन्तर्गत इस बजट में 40 हजार करोड़ रुपये रखे गये हैं। इसके अतिरिक्त जिन 7 रोजगारपरक क्षेत्रों को समावेशित किया गया है वे हैंः बायो फार्मा, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रानिक्स कंपोनेन्टस, रेयर अर्थ, रसायन, पूँजीगत वस्तएँ और टेक्सटाइल्स। इनसे मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की संवृद्धि बढ़ेगी। वस्तुतः, ये अर्थव्यवस्था के उदीयमान क्षेत्र हैं और इनमें उत्पादन, रोजगार व निर्यात की प्रचुर संभावनाएं हैं। इसके अलावा बजट में लघु एवं मध्यम उद्योगों को चैंपियन बनाने के निर्णय से भी इस क्षेत्र का विकास तेज होगा। आत्मनिर्भरता एवं स्वदेशी के लक्ष्यों को प्राप्त करने में एमएसएमई, ओडीओपी तथा खादी क्षेत्र की भूमिका महती स्थान रखती है। रक्षा व्यय में वृद्धि; विशेष तौर पर पूँजीगत व्यय में वृद्धि से भी रक्षा मामले में हमारी आत्म-निर्भरता बढ़ेगी और रक्षा सामग्री का निर्यात बढ़ेगा।

कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए इस बजट में जो प्रावधान किये गये हैं उनसे कृषि एवं गैर-कृषि क्रियाओं के पारस्परिक आर्थिक सम्बन्धों को ताकत मिलेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग से कृषि उत्पादकता बढ़ेगी। कृषि के वाणिज्यीकरण को बढ़ावा मिलेगा। किसानों की आय में वृद्धि होगी। किसानों, युवाओं एवं महिलाओं को उद्यमी बनाने का परिणाम होगा कि स्थानीय स्तर पर आजीविका के स्रोतों का विस्तार होगा। इससे गाँवों से नगरों को होने वाला पलायन भी रुकेगा। पशु चिकित्सा के लिए बजट में की गयी व्यवस्था से पशुधन में संवर्द्धन होगा। इससे गो आधारित प्राकृतिक कृषि के विस्तार में भी सहायता मिलेगी। इस बजट को यदि समग्र रूप से देखें तो यही निष्कर्ष निकलता है कि यह बजट भारत की घरेलू क्षमता का समुचित उपयोग करते हुए त्वरित आर्थिक विकास एवं लोककल्याण में वृद्धि को समर्पित है।

लेखक-भाजपा मध्यप्रदेश के प्रदेश प्रभारी व उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य एवं पूर्व मंत्री हैं।

कलेक्टर सिंह की अध्यक्षता में लंबितपत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आज लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के लिए चिन्हित विषयों में प्रगति पर विस्तार से चर्चा कर विभिन्न विभागों को प्राप्त आवेदनों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना, प्रधानमंत्री मानधन योजना, स्वरोजगार योजनाएं, एकल नल-जल योजनाओं के क्रियान्वयन, सड़क पुनर्निर्माण की गुणवत्ता, ग्रामीण विकास एवं जनजातीय कार्य, सभी पात्र व्यक्तियों की केसीसी, स्कूली बच्चों की समग्र आईडी बनाने, नवीन शैक्षणिक सत्र में नामांकन में वृद्धि एवं ड्रॉपआउट बच्चों में कमी लाने की कार्ययोजना के संबंध में विस्तार से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। इसके साथ ही छात्रावासों में छात्र संसद का गठन, सांदीपनि विद्यालयों में समीपस्थ स्कूलों को मर्ज करने व सांदीपनि विद्यालयों में बसों की स्थिति, निःशुल्क पुस्तक वितरण व उनकी एंट्री, पोषण आहार व स्वास्थ्य की मॉनिटरिंग, एएनसी पंजीयन, मातृ वंदना योजना, बालिका शौचालय, रोजगार, उद्योग एवं निवेश, राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने व सड़क सुरक्षा के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने एट्रोसिटी एक्ट अंतर्गत राहत वितरण तथा सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि प्राप्त आवेदनों का निराकरण समय सीमा में करना सुनिश्चित कर आपेक्षित प्रगति लाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि आंगनवाड़ी, छात्रावास, अस्पताल और शासकीय कार्यालयों में स्थित पानी की टंकियों की साफ-सफाई कराएं और टंकियों पर आखिरी सफाई की तारीख भी अंकित करें। उन्होंने शासन द्वारा संधारित कराने के लिए मंदिरों के संबंध में भी आवश्यक जानकारी ली और मंदिर के भूमि के उपयोग के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने सीएमएचओ से कहा कि जो लोग गरीबी रेखा की श्रेणी में आते हैं और जिन्हें कृत्रिम दांत की आवश्यकता है, उनके डेटा एकत्रित कर कृत्रिम दांत लगवाना सुनिश्चित करें। किसानों को पांच रुपए में मिलने वाले विद्युत कनेक्शन के संबंध में भी चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टर श्री नाथूराम गोंड सहित सभी जिला अधिकारी मौजूद थे।

सक्सेना की हत्या पर कायस्थ समाज ने की कड़ी निंदा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शिवपुरी म.प्र. में गत दिवस अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की गोली मारकर हत्या कर दी गई. इस घटना से कायस्थ समाज में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। आज प्रेम मंदिर में चित्रांश बन्धु उपस्थित होकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शासन से अधिवक्ता स्व. संजय कुमार सक्सेना के परिवार को सुरक्षा प्रदान करते हुए आर्थिक मदद एवं परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी की मांग की है। विश्व कायस्थ संगठन के एड राजीव लाल श्रीवास्तव, एड. आशीष श्रीवास्तव, शिवहरि श्रीवास्तव, एड. एम. के. वर्मा, एड. आजाद श्रीवास्तव, एड. बृजेश श्रीवास्तव, एड. धीरज श्रीवास्तव, एड. अभिषेक वर्मा, एड. रीना सक्सेना, सुभाष ब्यौहार, दुर्गेश श्रीवास्तव, गयेश श्रीवास्तव, आनंद निधी, एड हिमांशु खरे, नवीन श्रीवास्तव ने आरोपियों पर कड़ी कार्यवाही करने की अपील की है जिससे कि भविष्य में इस घटना की पुनरावृत्ति न हो।

अधिवक्ताओं की सुरक्षा पर संकट

परिषद ने की प्रदेश मे एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष राधेलाल गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद द्वारा राज्य मे ं एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट शीघ्र लागू किये जाने तथा अधिवक्ताओं के सम्मान एवं सुरक्षा हेतु बाध्यकारी आचार संहिता बनाए जाने पर की मांग को पुनः दृढ़ता से उठाया गया है। परिषद द्वारा इस संबंध में शासन को पूर्व मे भी कई बार पत्राचार किया जा चुका है, किन्तु आज दिनांक तक उक्त अधिनियम लागू नहीं किया गया है। विगत 14 फरवरी को तहसील अधिवक्ता संघ, करेरा, जिला शिवपुरी के अधिवक्ता श्री संजय कुमार सक्सेना की न्यायालय जाते समय दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गयी। यह घटना अत्यंत दुखद, निंदनीय एवं प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करने वाली है। अधिवक्ता न्याय व्यवस्था के अभिन्न अंग एवं 'कोर्ट ऑफिसर' माने जाते हैं, अतः उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य शासन का दायित्व है। परिषद ने स्पष्ट किया है कि यदि 7 दिवस के भीतर एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किये जान हेतु ठोस एवं प्रभावी कार्यवाही प्रारंभ नही ं की जाती है, तो प्रदेशभर के अधिवक्ता भोपाल में एकत्रित होकर लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से आंदोलन करने हेत ु बाध्य होंगे, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन की होगी। परिषद को आशा है कि राज्य शासन अधिवक्ताओं की सुरक्षा, सम्मान एवं कल्याण के हित में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेगा।

जबलपुर में यातायात नियमों को लेकर प्रशासन सख्त

बार-बार उल्लंघन पर निरस्त होंगे ड्राइविंग लाइसेंस और नो-पार्किंग में खड़ी कारें होंगी जब्त

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन ने अब तक का सबसे सख्त रुख अपना लिया है। कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में निर्णय लिया गया है कि यातायात नियमों की बार-बार अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। इस नई व्यवस्था के तहत ऐसे वाहन चालक जिनके नाम पर पांच से अधिक बार ई-चालान जारी हो चुके हैं और उन्होंने राशि का भुगतान नहीं किया है, उनके ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। स्मार्ट सिटी और यातायात पुलिस द्वारा ऐसे उल्लंघनकताओं की सूची तैयार की जा रही है ताकि उनके खिलाफ नियमानुसार कठोर कदम उठाए जा सकें। प्रशासन ने ई-चालान की वसूली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए परिवहन विभाग को एक विशेष प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया है जिसके अंतर्गत वाहनों के पंजीयन और बीमा का नवीनीकरण तभी संभव होगा जब वाहन मालिक अपने सभी लंबित ई-चालानों का भुगतान कर देंगे। वर्तमान में जबलपुर स्मार्ट सिटी द्वारा संचालित इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से शहर के प्रमुख चौराहों जैसे तीन पत्ती, शास्त्री ब्रिज, नागरथ चौक, गोहलपुर, लेबर चौक, बंदरिया तिराहा, तैय्यब अली और अधारताल सहित अन्य स्थानों पर रेड लाइट उल्लंघन, बिना हेलमेट और ट्रिपल राइडिंग पर लगातार नजर रखी जा रही है। विशेष रूप से शहर के प्रवेश और निकास मार्गों पर दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। शहर के व्यस्ततम क्षेत्रों में जाम की समस्या से निपटने के लिए मल्टीलेवल कार पार्किंग के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया है। भंवरताल, सिविक सेंटर और मानस भवन स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के 300 मीटर के दायरे को नो पार्किंग जोन घोषित किया गया है। यदि कोई भी कार मालिक इस परिधि में सड़क किनारे अवैध पार्किंग करता पाया जाता है, तो यातायात पुलिस द्वारा वाहन को तत्काल जब्त कर लिया जाएगा। टायर लॉक सिस?टम शुरू किया जायेगा। जब्त किए गए वाहनों को टोइंग शुल्क और चालान राशि जमा करने के बाद ही छोड़ा जाएगा। कलेक्टर श्री सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री संपत उपाध्याय ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ आगामी 10 दिनों के भीतर इन सभी व्यवस्थाओं को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए हैं।

बजट को लेकर महापौर सलाहकार समिति की बहु उपयोगी बैठक हुई आयोजित

हर क्षेत्र में पारंगत हासिल करने वाले विशेषज्ञों ने महापौर के समक्ष दिये सुझाव एवं मार्गदर्शन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

री-डेन्सीफिकेशन, नगर निगम के बॉड, पी.पी.पी. मॉडल पर विकास कार्यो की नीव रखने, पार्किंग, मोबाइल कोर्ट, नैरोगेज सड़क, शहर की सभी एन्ट्रियों को सौन्दर्यीकरण करने, लेफ्ट टर्न को अतिक्रमण मुक्त करने, सीवर कनेक्शन बढ़ाने, स्कूलों के बाहर वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित करने के साथ शहर विकास को लेकर बैठक में आए और महात्वपूर्ण सुझाव जबलपुर। शहर के सर्वांगीण विकास और आगामी बजट को जन-उपयोगी बनाने के उद्देश्य से आयोजित महापौर सलाहकार समिति (डंलवत ।कअपेवतल ठवंतक) की बैठक आज दिनांक 16 फरवरी को संपन्न हुई। इस उच्च स्तरीय बैठक में शिक्षा, तकनीक, अर्थशास्त्र, वित्त, अद्योसंरचना एवं विकास और नगर नियोजन जैसे विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। बैठक में विशेषज्ञों के अनुभव और महापौर के विजन के मेल से शहर के विकास का एक ऐसा खाका तैयार किया गया है, जो आने वाले समय में जबलपुर की सूरत बदल देगा।

विकास के नए मॉडल पर जोर

बैठक में केवल पारंपरिक बजट पर चर्चा नहीं हुई, बल्कि शहर की आर्थिक स्थिति को मजबूती देने के लिए अत्यंत महात्वपूर्ण सुझाव दिए गए। विशेषज्ञों ने बैठक में निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं पर अपने विचार एवं सुझाव साझा किये - नगर निगम की आय बढ़ाने के लिए नगर निगम बॉन्ड जारी करने और री-डेन्सीफिकेशन की योजनाओं पर चर्चा की गई तथा क्रियान्वयन करने के सुझाव दिये गए। विकास कार्यों की नींव रखने के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप को बढ़ावा देने का सुझाव दिया गया, ताकि बड़े प्रोजेक्ट्स को गति मिल सके।

न्यायिक जगत पर हमला संवैधानिक स्तंभ पर आघात

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शिवपुरी नगर में एक अधिवक्ता की नृशंस हत्या की घटना ने सम्पूर्ण प्रदेश के विधिक जगत और बुद्धिजीवी समाज को झकझोर कर रख दिया है। इसी घटना के परिप्रेक्ष्य में ज जूनियर लॉयर्स एसोसिएशन (जूला) के अधिवक्ताओं ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री महोदय के नाम एक विस्तृत ज्ञापन प्रेषित किया है, जिसमें अधिवक्ताओं और पत्रकारों की सुरक्षा के प्रति राज्य सरकार की उदासीनता पर गहरी चिन्ता व्यक्त की गई है। ज्ञापन में कहा गया कि अधिवक्ता की हत्या कोरी घटना नहीं, एक संकेत है। संकेत उस विडम्बना का जहाँ न्याय के शत्रु वे हमलावर नहीं, बल्कि वे परिस्थितियाँ हैं जो न्याय के सिपाही को असुरक्षित छोड़ देती हैं। वक्तव्य में कहा गया कि अधिवक्ता और पत्रकार - इन दो व्यवसायों को हमेशा लोकतंत्र का संवैधानिक स्तंभ कहा गया। पर यहाँ एक सवाल उठता है कि जब इन स्तंभों पर ही प्रहार हो रहे हों, तो लोकतंत्र की इमारत कैसे खड़ी रह सकती है? यह प्रश्न केवल न्यायिक नहीं, सांस्कृतिक भी है। क्योंकि जिस समाज में विवेक और वक?तव्य को खतरा हो, वहाँ स्वतंत्रता महज एक अमूर्त अवधारणा बनकर रह जाती है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि अधिवक्ताओं और पत्रकारों पर हो रहे बढ़ते हमलों के परिप्रेक्ष्य में राज्य सरकार का मौन इन संवैधानिक स्तंभों को आघात पहुँचाने के समान है।राज्य का मौन हमेशा व्याख्याओं को जन्म देता है। यहाँ मौन असहमति का नहीं, अस्वीकार का है। अस्वीकार उस संवेदनशीलता का जो इन व्यवसायों की प्रकृति में अंतर्निहित है। अधिवक्ता की हत्या के बाद जो ज्ञापन भेजा गया, वह महज मांगों का सूचीपत्र नहीं, एक आक्रोश का दस्तावेज है। आक्रोश इसलिए कि जब तक अधिवक्ता और पत्रकार संरक्षण अधिनियम लागू नहीं होते, तब तक ये वर्ग कानून के दायरे से बाहर खड़े रहेंगे - एक ऐसी स्थिति जहाँ वे दूसरों को न्याय तो दिलाते हैं, पर स्वयं न्याय के मूल अधिकार से वंचित रह जाते हैं।

अधिवक्ताओं की शिकायतों के लिए विशेष आनलाइन शिकायत पोर्टल शुरू हो

प्रथम, राज्य सरकार तत्काल एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट तथा पत्रकार प्रोटेक्शन एक्ट लागू करे, जिससे इन वर्गों को विधिक संरक्षण प्रदान किया जा सके। द्वितीय, जब तक ये अधिनियम लागू नहीं हो जाते, तब तक राज्य सरकार मुख्यमंत्री ऑनलाइन शिकायत पोर्टल के समान एक विशेष आनलाइन पोर्टल शुरू करे। इस पोर्टल पर अधिवक्ताओं और पत्रकारों को उनके व्यवसाय के कारण दी जा रही धमकियों की शिकायत दर्ज कराई जा सके। तृतीय, इस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों पर 24 घंटे के भीतर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा उस कार्रवाई की प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट भी पोर्टल पर अपलोड की जाए। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित समय में कार्रवाई नहीं होती है तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रावधान भी किया जाए। यह भी चेतावनी दी गई कि ज्ञापन में उल्लेखित नाम महज हस्ताक्षर नहीं, उस चेतना के प्रतीक हैं जो अब मौन को तोड़ने का निर्णय कर चुकी है। बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं की उपस्थिति यह दशार्ती है कि यह आक्रोश व्यक्तिगत नहीं, सामूहिक है। और सामूहिक आक्रोश ही इतिहास की धारा बदलता है। इस ज्ञापन को प्रेषित करने वालों में अधिवक्तागण आशीष त्रिवेदी, असीम त्रिवेदी, प्रशांत अवस्थी, पंकज तिवारी, आशीष कुमार तिवारी, आनंद शुक्ला, शुभम पाटकर सहित बड़ी संख्या में अधिवृ उपस्थित थे। सभी अधिवक्ताओं ने एक स्वर में यह संकल्प व्यक्त किया कि जब तक उनकी माँगें पूरी नहीं होतीं, वे अपना आन्दोलन जारी रखेंगे। राष्ट्रीय अधिवक्ता मंच मध्य प्रदेश द्वारा शिवपुरी में अधिवक्ता महोदय को यूनिफॉर्म में जब वह न्यायालय जा रहे थे गोली मार दी जबकि उनका किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं था वह केवल अपने पक्षकार की पैरवी कर अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे थे और विरोधी पक्ष के द्वारा उन्हें पैरवी करने से रोका गया और जब वह नहीं माने तो उन्हें रास्ते से अलग करने के लिए उन पर हमला कर उनकी हत्या की गई जिसका राष्ट्रीय अधिवक्ता मंच निंदा करता है के विरोध में सोमवार दिनांक 16 फरवरी 2026 को न्यायालय कार्य से विरत रहकर उक्त घटना का विरोध प्रदर्शित किया साथ ही एडवोकेट प्रोडक्शन एक्ट अति शीघ्र लागू किया जाए की मांग की गई राष्ट्रीय अधिवक्ता मंच के प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रशांत तिवारी, महासचिव श्री शशांक शुक्ला एवं अन्य सदस्य गण उपस्थित रहे।

जेनको क्रिकेट लीग की चमचाती रिवाल्विंग ट्राफी पर लीजेन्ड्स का कब्जा

अंकित एडविन घोषित हुए मेन ऑफ द सीरिज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के तत्वावधान में आयोजित जेनको क्रिकेट लीग खिताब लीजेन्ड्स टीम ने रोमांचकारी फाइनल मैच में हिटर्स टीम को सिर्फ 2 रन से पराजित कर जीत लिया। उल्लेखनीय है कि लीजेन्ड्स टीम पिछले दो वर्षों से उपविजेता बन रही थी। मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने विजेता लीजेन्ड्स टीम के कप्तान आसिफ खान को चमचमाती सुनहरी रिवाल्विंग ट्राफी प्रदान की। पावर एंजेल्स ने वंडर वुमेन ने को 9 विकेट से पराजित कर महिला वर्ग की स्पर्धा जीती। इस अवसर पर पावर जनरेटिंग कंपनी के डायरेक्टर टेक्निकल सुबोध निगम, डायरेक्टर कॉमर्शियल मिलिन्द भान्दक्कर, कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन व प्रशासन दीपक कश्यप व कंपनी के वरिष्ठ अभियंता व कार्मिक उपस्थित थे। अंकित एडविन लीजेन्ड्स की जीत के हीरो बने-टॉस जीतकर हिटर्स ने लीजेन्ड्स को पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण दिया। लीजेन्ड्स की ओर से सलामी बल्लेबाज सुशील पाल व कप्तान आसिफ खान ने टीम को सशक्त शुरूआत दिलाई। सुशील पाल ने 15 गेंदों में 15 रन बनाए, जबकि कप्तान आसिफ खान ने 24 गेंदों में 33 रनों की दमदारी पारी खेलकर टीम की मजबूत नींव रखी। एक दौर में हिटर्स ने नियंत्रित गेंदबाजी के दम पर मैच में वापसी की। शाहिद खान और गिरीश सिंह ने अपने 3-3 ओवर के स्पेल में मात्र 13-13 रन खर्च करते हुए 1-1 विकेट हासिल किया और लीजेन्ड्स की आक्रामक बल्लेबाजी पर अंकुश लगाया। इसके बावजूद अंकित एडविन ने 15 गेंदों में 22 रनों की तूफानी पारी खेलते हुए टीम का स्कोर 12 ओवर में 5 विकेट पर 93 रन तक पहुंचाया। 94 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हिटर्स टीम ने जीत के इरादे से मैदान में कदम रखा, लेकिन लीजेन्ड्स के गेंदबाजों ने शुरूआती झटके देकर मैच का रुख पलट दिया। शाहिद खान व अतुल यादव को क्रमशः कप्तान आसिफ खान व अंकित एडविन ने शीघ्र पवेलियन भेज दिया। इसके बाद गिरीश सिंह ने 32 गेंदों में 32 रनों की जिम्मेदार और संयमित पारी खेलकर मैच का रुख बदल दिया। उनकी सूझबूझ भरी बल्लेबाजी, नियमित स्ट्राइक रोटेशन व सटीक शॉट चयन ने मुकाबले में हिटर्स को लक्ष्य की ओर बढ़ाया। हालांकि लीजेन्ड्स की सधी हुई गेंदबाजी से अंतिम ओवरों में हिटर्स को बड़े शॉट खेलने का मौका नहीं मिला। अंततः इस कांटे की टक्कर को लीजेन्ड्स ने आखिरी गेंद तक ले जा कर मैच को 2 रनों से मैच जीत कर ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। आलराउंड प्रदर्शन के लिए अंकित एडविन को ह्यप्लेयर ऑफ द मैचह्व घोषित किया गया। मेन ऑफ द सीरिज अंकित एडविन बने-जेनको क्रिकेट लीग में बल्ले व गेंद से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए लीजेन्ड्स के अंकित एडविन को मेन ऑफ द सीरिज घोषित किया गया। उन्हें बेस्ट बॉलर ऑफ द सीरिज का अवार्ड भी प्रदान किया गया। लीजेन्ड्स के कप्तान आसिफ खान को पूरी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट बल्लेबाजी करने के लिए बेस्ट बैट्समेन ऑफ द सीरिज और हिटर्स टीम के महेश भूमिया को उनके शानदार क्षेत्ररक्षण के लिए बेस्ट फील्डर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार प्रदान किया गया। मैच के अम्पयार सुबोध धांडे व संदीप बर्मन रहे। महिला कार्मिकों व परिजन के लिए आयोजित खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत स्पून रेस में प्रथम विद्या झरबड़े, द्वितीय गरिमा सिंह, तृतीय नेहा सिंह रहीं। इसी स्पर्धा में परिजन वर्ग में संगीता, रश्मि निगम व वैशाली को प्रथम तीन स्थान मिले। म्यूजिकल चेयर रेस कार्मिक वर्ग में प्रथम विद्या झरबड़े, द्वितीय जेबा नसरीन, तृतीय गरिमा सिंह और परिवार वर्ग में प्रथम अनिता कुशवाहा, द्वितीय अनुपमा सिंह, तृतीय साहिबा शेख रहीं। बच्चों की स्पर्धा में हर्ष सिंह, भाव्या गोस्वामी, अर्नवी जैन, अयांश डेहारिया,

नगर निगम राजस्व अमले की कार्रवाई से करदाताओं में दिखा टैक्स जमा करने को लेकर उत्साह

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निदेर्शानुसार शहर के सभी 16 संभागों में बकाया राजस्व वसूली के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज संभाग क्रमांक 13 में स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड के करदाता मोइनुद्दीन जनाब मोहम्मद निजामुद्दीन पर 1 लाख 17 हजार 9 सौ 96 रुपए संपत्ति कर की बकाया राशि होने पर कुर्की की कार्यवाही के दौरान 50 हजार रुपए नगद जमा किए गए एवं शेष राशि मार्च में जमा करने का आश्वासन दिया। इसी प्रकार संभाग क्रमांक 14 चितरंजन वार्ड के अंतर्गत साबिर खान पिता - जाकिर खान पता 122 अहमद नगर पर बकाया राशि 1 लाख 45 हजार 8 सौ 29 रुपए होने पर कुर्की की कार्यवाही करते हुए 3 दिन के अंदर राशि जमा करने नोटिस चस्पा किया गया। इसी प्रकार संभाग क्रमांक 6 के अंतर्गत गोविन्द बल्लभ पंत वार्ड में भवन स्वामी गंगा बाई पति मोतीलाल पर बकाया राशि 5 लाख 62 हजार 3 सौ 31 रुपए, चंदा बाई पति राज बहादुर पहारिया बकाया राशि 3 लाख 85 हजार 6 सौ 55 रुपए एवं राजाराम पुरूषोत्तम रंगलाल बकाया राशि 3 लाख 48 हजार 3 सौ 23 रुपए होने पर कुर्की की कार्रवाई के लिए नोटिस जस्पा किये गए। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे कुर्की जैसी अप्रिय कार्यवाही से बचने के लिए समय पर अपना समस्त बकाया टैक्स जमा करें। कार्यवाही के समय राजस्व अधिकारी आनंद मिश्रा, संभागीय अधिकारी सुदीप पटेल एवं राजस्व निरीक्षक मन्नू पटेल, नंदन पटैल, वार्ड कर संग्रहिता विजय विश्वकर्मा, प्रतीक यादव, नोटिस सर्वर एवं स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड में राजस्व निरीक्षक नंदकिशोर पटेल सहायक राजस्व निरीक्षक सुरेंद्र एवं संभागीय टीम, संभाग क्रमांक 6 में सींगीय अधिकारी प्रदीप मेरावी, अरविन्द्र श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक मोहम्मद वसीम, शुभम जैन, ललित मेवारी एवं कोन्डैया आदि उपस्थित रहे।

जिले के विभिन्न विकासखंडों में 19 से 27 फरवरी तक लगेंगे रोजगार मेले

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला पंचायत जबलपुर द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले के सभी विकासखंडों में 'रोजगार मेलों' का आयोजन किया जा रहा है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक गहलोत ने बताया कि इन मेलों के माध्यम से विभिन्न निजी कंपनियों द्वारा सिक्योरिटी गार्ड, सेल्स ऑफिसर, बीमा एजेंट और मशीन ऑपरेटर के पदों पर चयन किया जाएगा। जारी कार्यक्रम के अनुसार, रोजगार मेलों का शुभारंभ 19 फरवरी को जनपद पंचायत मझौली से होगा। इसके पश्चात 20 फरवरी को जनपद पंचायत कुंडेश्वर धाम, 23 फरवरी को शासकीय कॉलेज बरगी, 24 फरवरी को जनपद पंचायत पनागर, 25 फरवरी को जनपद पंचायत पाटन, 26 फरवरी को जनपद पंचायत सिहोरा और 27 फरवरी को जनपद पंचायत शाहपुरा में मेलों का आयोजन किया जाएगा। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि इन रोजगार मेलों में सम्मिलित होने के लिए आवेदक की आयु 18 से 35 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 5वीं उत्तीर्ण अथवा उससे अधिक पढ़े हुए इच्छुक युवक-युवतियां निर्धारित तिथियों और स्थानों पर अपने समस्त मूल दस्तावेजों एवं छायाप्रति के साथ अपनी उपस्थिति? सुनिश्चित करें।

निगमायुक्त ने की प्रमुख परियोजनाओं की सघन समीक्षा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने आज नगर निगम के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं और शहर के बुनियादी ढांचे से जुड़े विकास कार्यों की वर्तमान प्रगति की जानकारी लेना।

इन प्रमुख बिंदुओं पर रहा विशेष फोकस

निगमायुक्त ने बैठक के दौरान शहर को स्वच्छता रैंकिंग में शीर्ष पर लाने के लिए सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने और कचरा प्रबंधन की बारीकियों पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने बैठक में कहा कि जनसमस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निगमायुक्त ने लंबित प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में निगमायुक्त ने पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाली पीएम स्वनिधि योजना का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए नियमित रूप से अभियान चलाने पर जोर दिया।

इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में काफी असरदार हैं कद्दू के बीज

डाइटिशियन के अनुसार, कद्दू के बीज इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में काफी असरदार हैं। खासतौर पर ये बीज विटामिन बी12 के प्राकृतिक स्रोत माने जाते हैं, जो आज के दौर में लोगों की डाइट से अक्सर गायब होता है। कद्दू के बीजों में जिंक, आयरन, प्रोटीन, ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन ए और विटामिन बी12 पाया जाता है।

विटामिन बी12 यानी कोबालामिन एक पानी में घुलनशील विटामिन है, जो शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं बनाने, डीएनए संश्लेषण और तंत्रिका तंत्र के सही कार्य में अहम भूमिका निभाता है। इसकी कमी से एनीमिया, नजर का कमजोर होना, पाचन संबंधी गड़बड़ी, अंगों में झुनझुनी और बोलने में परेशानी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में अगर आप सप्लीमेंट्स की जगह घरेलू और प्राकृतिक विकल्प की तलाश कर रहे हैं, तो कद्दू के बीज को अपनी डाइट में शामिल करना बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। कद्दू के बीजों को आप कई तरीकों से अपने भोजन का हिस्सा बना सकते हैं। इन्हें हल्का भूनकर नाश्ते में लिया जा सकता है, जिससे स्वाद भी बेहतर हो जाता है और पोषण भी मिलता है। अगर आप सलाद पसंद करते हैं, तो उसमें थोड़े से कद्दू के बीज डालकर विटामिन बी12 की जरूरत पूरी कर सकते हैं। स्मूदी में मिलाकर इन्हें हेल्दी ड्रिंक के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

वहीं, दही या रायते में मिलाकर इनका सेवन न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है बल्कि सेहत को भी फायदा पहुंचाता है। कुल मिलाकर, कद्दू के बीज एक ऐसा सुपरफूड हैं, जिन्हें नियमित रूप से डाइट में शामिल करने से न केवल विटामिन बी 12 की कमी को दूर किया जा सकता है, बल्कि शरीर की संपूर्ण रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूती मिलती है। बता दें कि सेहतमंद जीवन के लिए लोग तरह-तरह के खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल करते हैं। इन्हीं में से एक है कद्दू के बीज, जो अपने पोषक तत्वों के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं।

सुबह के नाश्ते को बनाना है मजेदार, तो बनाएं हेल्दी और टेस्टी

एक न्यूट्रिशन साइंटिस्ट ने चॉकलेट ब्राउनी बेक्ड ओट्स की ऐसी रेसिपी शेयर की है, जिसे वो कहते हैं 'ऐसा ब्रेकफास्ट जिसके लिए आप खुशी-खुशी बिस्तर से उठना चाहेंगे'। यह रेसिपी स्वाद में ब्राउनी जैसी है, लेकिन हेल्दी, पेट-भरू और एनर्जी से भरपूर भी।यह ओट्स से बना ओवन/एयर-फ्रायर में बेक किया गया ब्रेकफास्ट है, जिसमें कोको पाउडर और डार्क चॉकलेट का फ्लेवर होता है। इससे मीठा खाने का मन भी शांत हो जाता है।

सामग्री

-ओट्स - ड्ढ कप
-कोको पाउडर - 1 टेबलस्पून
-बेकिंग पाउडर - ड्ढ टीस्पून
-दूध / प्लांट मिल्क - ड्ढ कप
- शहद / मैपल सिरप / खजूर पेस्ट - 1-2 टीस्पून
-डार्क चॉकलेट चिप्स - 1 टेबलस्पून
-वनीला एसेंस - कुछ बूंदें
-नमक - एक चुटकी

बनाने की विधि

-ओवन को 180 डिग्री पर प्री-हीट करें।
-एक बाउल में ओट्स, कोको पाउडर, बेकिंग पाउडर और नमक मिलाएं।
-अब दूध, शहद और वनीला डालकर अच्छे से मिक्स करें।
-ऊपर से डार्क चॉकलेट चिप्स डालें
-मिश्रण को बेकिंग डिश में डालकर 20-25 मिनट बेक करें।
-बाहर निकालें, थोड़ा ठंडा होने दें और एन्जॉय करें

सेहत के फायदे

ओट्स में फाइबर होता है इससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है। कोको पाउडर में एंटीऑक्सीडेंट होता है, इससे मीठा खाने की क्रेविंग कंट्रोल होती है। बच्चों और वर्किंग लोगों के लिए यह परफेक्ट ब्रेकफास्ट है। ध्यान रखें कि प्रोटीन बढ़ाने के लिए ऊपर से ग्रीक योगर्ट डालें। वजन घटाना हो तो मीठा कम रखें। डायबिटीज में शहद की जगह खजूर पेस्ट या बिल्कुल न डालें।

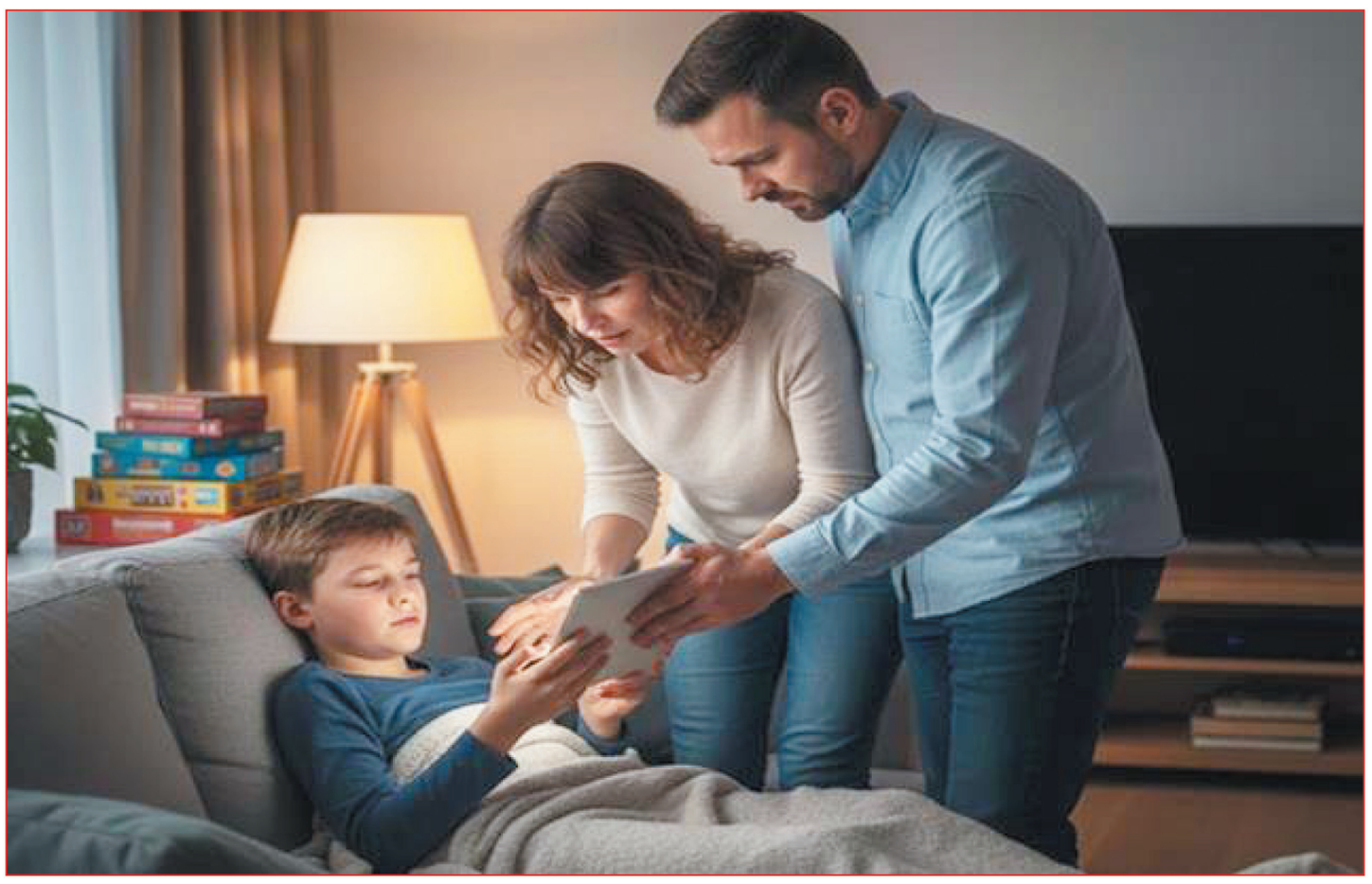

आपके बच्चे को भी हो गया है डिजिटल जुनून? तो उसे सजा ना दो उसकी तकलीफ समझो

मोबाइल, टैबलेट और वीडियो गेम्स आज बच्चों की दुनिया का अहम हिस्सा बन चुके हैं। पढ़ाई से लेकर मनोरंजन तक सब कुछ एक स्क्रीन में सिमट गया है। लेकिन यही डिजिटल जुनून धीरे-धीरे बच्चों के लिए साइलेंट किलर साबित हो रहा है, क्योंकि इसका असर शोर नहीं मचाता सीधे उनके मन, शरीर और भविष्य पर चोट करता है।

कैसे बन रहा है डिजिटल जुनून ख़तरनाक?

मानसिक सेहत पर वार: ज्यादा स्क्रीन टाइम से चिड़चिड़ापन, एंग्ज़ायटी, ध्यान की कमी और अकेलापन बढ़ता है।

नींद का दुश्मन : देर रात तक स्क्रीन देखने से नींद का चक्र बिगड़ता है, जिससे सीखने और याददाश्त पर असर पड़ता है। शारीरिक नुकसान :आंखों में जलन, सिरदर्द, गर्दन-पीठ दर्द और मोटापे का जोखिम बढ़ता है।

सोशल स्किल्स कमजोर :असली दोस्तों और परिवार से दूरी बढ़ती है; बातचीत और भावनात्मक समझ घटती है। आदत से लत तक : गेम्स और शॉर्ट वीडियोज़ का डोपामिन हिट बच्चों को बार-बार स्क्रीन की ओर खींचता है।

बच्चों की हालत बिगड़ने के संकेत

मोबाइल, टैबलेट और गेम्स की चमक के पीछे छिपी है बच्चों की मौन पुकार जो वे शब्दों में नहीं, व्यवहार में ज़ाहिर कर रहे हैं। ऐसे में अगर बच्चा स्क्रीन हटते ही बेचैनी, रोना या गुस्सा करने लगता है तो यह खतरे की चेतावनी है। नजर रखें कि बच्चा देर से तो नहीं सो रहा और बार- बार जागता तो नहीं। डिजिटल जुनून का सबसे बड़ा इशारा है कि बच्चे का पढ़ाई में ध्यान कम लगने लगता है, होमवर्क से बचने लगता है। अगर बच्चा दोस्तों से कट रहा है या परिवार से बातचीत कम कर रहा है तो यह भी खतरे की निशानी है। बच्चे के शरीर पर ही इसका असर दिखने लगता है , उन्हें अकसर आंखों में जलन, सिरदर्द, गर्दन/पीठ दर्द की शिकायत रहती है। ये संकेत बताते हैं कि बच्चा ओवरस्टिमुलेशन और डिजिटल थकान से जूझ रहा है पर बोल नहीं पा रहा।

पेरेंट्स सुनें बच्चों की मौन आवाज

पहले तो बच्चे को जज ना करें 'क्यों खेल रहे हो?' की जगह पूछें 'तुम्हें इसमें क्या अच्छा लगता है?'। पेरेंट्स का खुद का स्क्रीन व्यवहार बच्चे कॉपी करते हैं, इसलिए रोज 20-30 मिनट बिना फोन के साथ बैठें। बच्चा खुद खुलने लगेगा। स्क्रीन टाइम, खेल, पढ़ाई और नींद सबका संतुलित टाइमटेबल बनाएं। बच्चे को आउटडोर खेल, ड्रॉइंग, म्यूज़िक, बोर्ड गेम्स के चॉइस दें। डिजिटल डिटॉक्स को सज़ा न बनाएं, वीकेंड पर फैमिली डिजिटल ब्रेक सब साथ में।

कब प्रोफेशनल मदद लें?

अगर बच्चा लगातार उदास, अत्यधिक आक्रामक या पूरी तरह अलग-थलग हो रहा है, तो काउंसलर/चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट से बात करना समझदारी है। याद रखें स्क्रीन दुश्मन नहीं, असंतुलन दुश्मन है। बच्चों की मौन पुकार सुनने के लिए उन्हें 'कम फोन' नहीं, ज़्यादा समझ चाहिए।

लगातार थकान और बार-बार बुखार को न करें नजरअंदाज, हो सकते हैं इस कैंसर के संकेत

लगातार थकान, कमजोरी या बार-बार बुखार आने को अक्सर लोग बदलती लाइफस्टाइल या मौसम का असर मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो ये लक्षण कभी-कभी ब्लड कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के शुरुआती संकेत भी हो सकते हैं। ऐसे में समय रहते इन चेतावनी संकेतों को पहचानना और जांच कराना इलाज की सफलता के लिए बेहद जरूरी होता है।

धीरे-धीरे शरीर को कमजोर करता है ब्लड कैंसर

ब्लड कैंसर आमतौर पर अचानक तेज लक्षणों के साथ सामने नहीं आता। यह धीरे-धीरे शरीर के अंदर असर डालता है। ल्यूकेमिया, लिंफोमा और मल्टीपल मायलोमा जैसे ब्लड कैंसर बोन मैरो में शुरू होते हैं, जहां खून की कोशिकाएं बनती हैं। समय के साथ ये शरीर की सामान्य कार्यक्षमता को प्रभावित करने लगते हैं।

शुरुआती पहचान क्यों है जरूरी?

डॉक्टर के अनुसार, अगर ब्लड कैंसर की पहचान शुरुआती स्टेज में हो जाए, तो इलाज काफी हद तक आसान हो जाता है। समय रहते बीमारी पकड़ में आने से इलाज की सफलता बढ़ती है और ब्लड स्टेम सेल ट्रांसप्लांट जैसे अहम विकल्पों की संभावना भी मजबूत होती है।

लगातार थकान को न समझें सामान्य

अगर बिना ज्यादा काम किए भी
लगातार कमजोरी
थकान
सांस फूलना।
आराम करने के बाद भी एनर्जी वापस न आना

जैसी समस्याएं बनी रहें, तो यह चेतावनी संकेत हो सकता है। डॉक्टर बताते हैं कि ब्लड कैंसर में शरीर पर्याप्त स्वस्थ रेड ब्लड सेल्स नहीं बना पाता, जिससे एनीमिया हो जाता है और इसी कारण अत्यधिक थकान महसूस होती है।

बार-बार बुखार या इंफेक्शन

कमजोर इम्यून सिस्टम भी ब्लड कैंसर का एक बड़ा संकेत हो सकता है।

अगर बार-बार सर्दी-खांसी
बार-बार बुखार
छोटे इंफेक्शन का जल्दी गंभीर हो जाना

देखने को मिले, तो यह दर्शाता है कि शरीर की व्हाइट ब्लड सेल्स सही तरह से काम नहीं कर पा रही हैं।

बिना वजह खून आना या जल्दी चोट लगना

नाक या मसूड़ों से खून आना, हल्की चोट में भी ज्यादा नीला पड़ जाना या त्वचा पर छोटे-छोटे लाल या बैंगनी दाग दिखना प्लेटलेट्स की कमी का संकेत हो सकता है। ल्यूकेमिया में ये लक्षण आम हैं, लेकिन अधिकतर लोग इन्हें मामूली समझकर नजरअंदाज कर देते हैं।

वजन घटना, रात में पसीना और गांठें

अगर बिना डाइट या एक्सरसाइज के वजन तेजी से घटे
रात में अत्यधिक पसीना आए
गर्दन, बगल या जांघ में दर्द रहित गांठ महसूस हो

तो सतर्क हो जाना चाहिए। ये लक्षण खासतौर पर लिंफोमा से जुड़े हो सकते हैं।

वहीं हड्डियों, रीढ़ या पसलियों में लगातार दर्द मल्टीपल मायलोमा का संकेत हो सकता है।

स्टेम सेल ट्रांसप्लांट बन सकता है इलाज की उम्मीद

ब्लड कैंसर के कई मामलों में ब्लड स्टेम सेल ट्रांसप्लांट एक प्रभावी इलाज माना जाता है। इसमें खराब बोन मैरो की जगह स्वस्थ स्टेम सेल्स दी जाती हैं, जिससे नया खून और मजबूत इम्यून सिस्टम तैयार होता है।

लगातार थकान, बार-बार बुखार या शरीर में दिखने वाले ये संकेत अगर लंबे समय तक बने रहें, तो इन्हें नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। समय रहते डॉक्टर से संपर्क करना और जरूरी जांच कराना ही ब्लड कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव का सबसे बेहतर तरीका है।

इम्युनिटी बढ़ाने से लेकर डेंगू-डायबिटीज तक कारगर है ये जड़ी-बूटी

गिलोय को आयुर्वेद में अमृत कहा गया है। यह एक अत्यंत शक्तिशाली औषधीय जड़ी-बूटी है, जो इम्युनिटी बढ़ाने के साथ-साथ कई गंभीर और पुरानी बीमारियों के इलाज में सहायक मानी जाती है। डेंगू, मलेरिया, वायरल फीवर से लेकर मधुमेह, पाचन समस्याओं और जोड़ों के दर्द तक गिलोय को रामबाण औषधि माना जाता है। हालांकि, इसका सेवन हमेशा चिकित्सक की सलाह से ही करना चाहिए।

गिलोय का सेवन कैसे करें?

गिलोय का जूस या काढ़ा
सुबह खाली पेट लेना सबसे अधिक प्रभावी माना जाता है

पाउडर रूप में भी लिया जा सकता है।

गिलोय का अधिक मात्रा में सेवन नुकसानदायक हो सकता है। गर्भवती महिलाएं, ऑटोइम्यून बीमारी से ग्रस्त लोग और डायबिटीज मरीज इसे लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

इम्युनिटी बढ़ाने में गिलोय का असर

गिलोय एक शक्तिशाली आयुर्वेदिक इम्युनिटी बूस्टर है। यह शरीर में श्वेत रक्त कोशिकाओं (ड्ढद्धद्बह्लद्ग ढ्ढद्यश्श्रस्र ष्टद्गद्यद्यह्य) को सक्रिय और मजबूत करता है, जिससे शरीर संक्रमण से बेहतर तरीके से लड़ पाता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-वायरल गुण शरीर को डिटॉक्स करते हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। सर्दी-खांसी, वायरल फीवर, डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों में गिलोय का सेवन बेहद फायदेमंद माना जाता है।

बुखार में गिलोय क्यों है अमृत समान?

गिलोय को ज्वरनाशक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण आयुर्वेद में विशेष स्थान प्राप्त है। यह डेंगू, मलेरिया, स्वाइन फ्लू और मौसमी बुखार में न सिर्फ शरीर की कमजोरी दूर करता है, बल्कि प्लेटलेट्स बढ़ाने और इम्युनिटी मजबूत करने में भी मदद करता है। गिलोय का काढ़ा या जूस दिन में 1-2 बार लेने से तेजी से लाभ मिलता है।

डायबिटीज में कैसे मदद करता है गिलोय?

गिलोय इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर बनाकर और ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करके ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद करता है। यह मधुमेह के मरीजों के लिए मेडिकल ट्रीटमेंट के साथ एक उपयोगी प्राकृतिक सप्लीमेंट के रूप में काम कर सकता है।

पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद

गिलोय पाचन एंजाइम्स को सक्रिय करता है, जिससे कब्ज, गैस, एसिडिटी और पेट फूलना जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। यह आंतों की कार्यक्षमता बढ़ाकर शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है और पोषक तत्वों के अवशोषण को बेहतर बनाता है।

जोड़ों के दर्द और त्वचा रोगों में लाभ

गिलोय में मौजूद सूजनरोधी और बलवर्धक गुण गठिया, जोड़ों के दर्द और अकड़न को कम करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, यह त्वचा से जुड़ी समस्याओं जैसे मुंहासे, खुजली और एलर्जी में भी लाभकारी है। गिलोय शरीर को अंदर से डिटॉक्स कर त्वचा को साफ और स्वस्थ बनाता है।

दिलों की रानी दीपिका पादुकोण

जब लाल रंग में दमदार स्टेटमेंट देने की बात आती है, तो दीपिका पादुकोण का मुकाबला करना आसान नहीं। बीते कुछ वर्षों में अभिनेत्री ने लाल रंग को अपनी सिग्नेचर स्टाइल लैंग्वेज बना दिया है—कभी क्लासिक एलिगेंस, कभी हाई-फैशन ड्रामा, तो कभी मॉडर्न सेंसुअलिटी के साथ।

ग्लोबल रेड कार्पेट से लेकर एडिटोरियल शूट और स्टूडियो पोर्ट्रेट तक, दीपिका ने बार-बार साबित किया है कि लाल उनके लिए सिर्फ एक रंग नहीं, बल्कि एक मूड, एक पावर मूव और उनकी शख्सियत का स्थायी विस्तार है। पेश हैं 'क्वीन ऑफ हार्ट्स' के सबसे शानदार रेड लुक्स प्राकृतिक और शांत बैकड्रॉप के बीच यह लुक शुद्ध हाई-फैशन ड्रामा था। गहरे टेक्सचर्ड फैब्रिक और वॉल्यूमिनस सिल्हूट ने मूर्तिकला जैसा प्रभाव पैदा किया। मोनोक्रोम रेड स्टाइलिंग ने आउटफिट को बोल्ड और काव्यात्मक दोनों बनाया। मिनिमल एक्सेसरीज़ और स्लीक हेयरस्टाइल के साथ दीपिका ने पूरे लुक को प्रभावशाली और शालीन बनाए रखा। इस पॉलिश्ड स्टूडियो पोर्ट्रेट में दीपिका ने स्ट्रक्चर्ड रेड ड्रेस के साथ एक शानदार स्टेटमेंट नेकलेस पहना। क्लीन लाइन्स और टोनल बैकड्रॉप ने एक सुसंगत और लग्ज़री लुक तैयार किया। यह अंदाज़ शाही, नियंत्रित और कालातीत ग्लैमर से भरपूर था। लंबी आस्तीन वाली स्कारलेट ड्रेस और मैचिंग हील्स के साथ यह लुक सादगी में प्रभाव का उदाहरण था। सॉफ्ट ग्लैम मेकअप और गर्माहट भरे बैकग्राउंड के बीच दीपिका का आत्मविश्वास इस स्टाइल को और खास बना रहा था। कभी-कभी सादगी ही सबसे बड़ा फैशन स्टेटमेंट बन जाती है।

24 साल की उम्र श्रीलीला बनीं डॉक्टर

एक्ट्रेस श्रीलीला ने ये साबित कर दिया कि मेहनत और डेडिकेशन से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। अब वो सिर्फ फिल्म एक्ट्रेस नहीं बल्कि ऑफिशियल डॉक्टर भी बन चुकी हैं। पिछले 6 सालों में उन्होंने फिल्मों में एक्टिंग करते हुए अपनी MBBS की पढ़ाई भी पूरी की और हाल ही में उनकी कॉन्वोकेशन सेरेमनी हुई है जिसमें उन्हें डॉक्टर की डिग्री से सम्मानित किया गया है।

डिग्री हासिल करने का खास मौका

श्रीलीला ने डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी, मुंबई से मेडिकल की पढ़ाई पूरी की है। 10 फरवरी को हुए ग्रेजुएशन समारोह की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए हैं। समारोह में वो मरून कॉन्वोकेशन गाउन पहनकर स्टेज पर डिग्री लेते नजर आई है और नाम पुकारे जाने पर अपने परिवार को गले लगाती दिखी है। ये पल उनके फैंस के लिए खास खुशी का मौका बन गया है।

हिप्पोक्रेटिक ओथ और जश्न का अंदाज

सेरेमनी में श्रीलीला और उनके साथी छात्रों ने मॉडर्न तरीके से हिप्पोक्रेटिक ओथ लिया है। जैसे ही घोषणा हुई कि अब वो आधिकारिक रूप से डॉक्टर बन गई हैं उन्होंने मुस्कुराते हुए दोस्तों के साथ जश्न मनाया। समारोह की ये झलकियां सोशल मीडिया पर खूब शेयर की जा रही हैं।

हार्दिक पांड्या की एक्स वाइफ ने इंटरनेट पर मचाया धमाल

सर्बियाई मॉडल और एक्ट्रेस नताशा स्टेनकोविक एक बार फिर अपने ग्लैमरस अंदाज को लेकर इंटरनेट पर ट्रेंड कर रही हैं। इस बार नताशा ने बिकिनी तस्वीरों से सोशल मीडिया का पारा बढ़ा दिया है। पूल साइड से शेयर किए गए इन तस्वीरों में नताशा का कॉन्फिडेंस, स्टाइल और सेक्सी अपील साफ झलक रही है। नताशा मल्टीकलर बिकिनी में अपना फिट फिगर बेहद खूबसूरती से फ्लॉन्ट कर रही हैं।पानी के बीच खड़े होकर दिए गए उनके पोज में आत्मविश्वास और ग्लैमर का परफेक्ट मेल देखने को मिल रहा है। कभी पीछे मुड़कर कैमरे में देखती अदाएं, तो कभी बालों को संवारते हुए क्लोज शॉट—हर तस्वीर में उनका अंदाज कातिलाना नजर आ रहा है। नताशा ने अपने लुक को मिनिमल जूलरी और ड्यूई मेकअप के साथ कम्पलीट किया है। उनका 'वेट हेयर' लुक उनकी हॉटनेस में तड़का लगा रहा है। नताशा ने हर फ्रेम में अलग अंदाज दिखाया है। कहीं पूल किनारे बैठकर रिलैक्स मूड में नजर आईं, तो कहीं पानी में खड़े होकर ग्लैमरस पोज देती दिखीं। फैंस कमेंट सेक्शन में उनकी फिटनेस और बोल्डनेस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। सर्बिया से भारत आकर 'सत्याग्रह' फिल्म से डेब्यू करने वाली नताशा को असली पहचान 'डीजे वाले बाबू' गाने से मिली। 'बिग बॉस 8' और 'नच बलिए 9' जैसे शो में उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

क्या प्रियंका चोपड़ा-निक जोनस का रिश्ता सिर्फ एक PR स्टंट था?

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी पहचान बना चुकी प्रियंका चोपड़ा और अमेरिकी सिंगर निक जोनस की शादी को 8 साल बीत चुके हैं, लेकिन आज भी इस कपल को लेकर इंटरनेट पर तरह-तरह की बातें होती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में प्रियंका ने उन लोगों को करारा जवाब दिया है जो उनके रिश्ते को सिर्फ एक 'PR स्टंट' मानते रहे हैं।

इंटरव्यू में प्रियंका ने बताया कि शुरुआत में जब लोग उनके और निक के रिश्ते पर सवाल उठाते थे, तो उन्हें बहुत बुरा लगता था। उन्होंने कहा, मैं नहीं जानती कि हमारे बारे में ऐसा क्या था जो लोगों को पसंद नहीं आया। शायद हमारी संस्कृति अलग थी, देश अलग थे, धर्म अलग था या फिर उम्र का फासला। प्रियंका और निक के बीच 10 साल का अंतर है, जिसे लेकर अक्सर ट्रोलर्स उन्हें निशाना बनाते हैं। प्रियंका ने उन लोगों पर निशाना साधा जो लगातार उनके अलग होने की भविष्यवाणियां करते रहते हैं। उन्होंने कहा, हमें साथ रहते हुए 8 साल हो गए हैं। अगर लोग अब भी हमारा रिश्ता टूटने का इंतजार करना चाहते हैं, तो यह उनकी पसंद है। मैंने अब इसके बारे में सोचना छोड़ दिया है।

2 महीने पहले ही राजपाल यादव को मिल गया था संकट का संकेत!

बॉलीवुड के 'कॉमेडी किंग' राजपाल यादव पिछले कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में एक्टर ने चेक बाउंस मामले में खुद को सरेंडर कर दिया था, जिसके बाद से वो दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। इसी बीच एक्टर और कॉमेडियन राजपाल यादव का एक वीडियो खासा सुर्खियों में बना हुआ है। वायरल हो रही क्लिप एक्टर और प्रेमानंद जी महाराज के बीच हुई बातचीत का है, जिसे लोग राजपाल यादव की मौजूदा हालत से जोड़ रहे हैं और कह रहे हैं कि, प्रेमानंद महाराज को पहले से ही एक्टर पर आने वाले इस संकट के बारे में पता चल गया था।

गौतलब है कि, दिसंबर 2025 में राजपाल यादव वृंदावन पहुंचे थे, जहां उन्होंने आध्यात्मिक गुरू प्रेमानंद जी महाराज से मुलाकात की थी, जिसका वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. इंटरनेट पर आग की तरह फैल रही इस क्लिप में राजपाल यादव मुस्कुराते हुए महाराज जी के पास पहुचते हैं, जहां महाराज जी उनसे पूछते हैं, 'ठीक हो?' इस पर एक्टर कहते हैं 'आज ठीक हैं.' जवाब सुनते ही प्रेमानंद महाराज जी हंस पड़ते हैं और कहते कि, राजपाल जी लोगों को लगातार हंसाते और सबका मनोरंजन करते रहते हैं, जो बहुत अच्छी बात है. प्रेमानंद जी महाराज से हुई पहली मुलाकात में एक्टर ने अपने गुरु श्री पंडित देव प्रभाकर जी शास्त्री का जिक्र करते हुए बताया था कि, वो 2020 में ब्रह्मलीन हुए थे. उन्होंने, बताया कि, 1999 में उन्हें दीक्षा मिली और गुरुजी के साथ विश्व कल्याण के लिए सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग, महारुद्र यज्ञ और बाकी के कई अनुष्ठान किए गए. एक्टर ने बताया कि, इस दौरान वो एक्टिंग में भी एक्टिव रहे लेकिन साथ ही वो अपने गुरु जी के साथ भी जुड़े रहे।

पहले दिन ही मुंह के बल गिरेगी शाहिद कपूर की फिल्म

शाहिद कपूर और त्रिप्ति डिमरी अपनी एक्शन-ड्रामा फिल्म की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं। विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी यह फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देने से बस एक दिन दूर है। हालांकि एडवांस बुकिंग के आंकड़े उम्मीद के मुताबिक नहीं दिख रहे हैं। प्री-सेल्स 10 फरवरी से शुरू हुई थी और अब तक 8595 शोज में सिर्फ 50648 टिकट ही बिक पाए हैं।

मौजूदा रफ्तार को देखते हुए अंदेशा है कि फिल्म की इंडिया में ओपनिंग धीमी रह सकती है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने अब तक एडवांस बुकिंग से 1.19 करोड़ की कमाई की है। वहीं अगर ब्लॉक सीटों को भी जोड़ लिया जाए तो इसका कुल पोटेंशियल ग्रॉस कलेक्शन करीब 3.27 करोड़ तक पहुंचता है। लाइव रिपोर्ट्स के अनुसार 'ओ रोमियो' ने रिलीज के पहले दिन पूरे भारत में 50648 से अधिक टिकट बेच लिए हैं। फिल्म फिलहाल 2D हिंदी फॉर्मेट में 8595 बड़े शोज के साथ प्रदर्शित होने के लिए तय है। गुजरात इस मामले में सबसे आगे है, जहां से 12.18 लाख की कमाई हुई है। हालांकि फिल्म वैलेंटाइन वीकेंड पर रिलीज हो रही है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर उछाल की उम्मीद जताई जा रही है। खासतौर पर शहरी बाजारों में वैलेंटाइन डे का माहौल टिकट बिक्री को बढ़ावा दे सकता है। ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है कि अगर गुरुवार रात 9 बजे तक फिल्म 2.50 करोड़ का आंकड़ा छू लेती है तो यह शाहिद कपूर की पिछली रिलीज 'देवा' के ओपनिंग रिकॉर्ड को चुनौती दे सकती है।

बॉक्स ऑफिस पर थमने के मूड में नहीं है BORDER 2

सनी देओल की 'बॉर्डर 2' पहले ही 300 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है लेकिन ये अब भी थकने का नाम नहीं ले रही है। रिलीज के तीसरे हफ्ते में भी इसकी धुआंधार कमाई जारी है। दरअसल ऐला लग रहा है कि ये फिल्म 350 करोड़ का आंकड़ा छूकर ही मानेगी। इस फिल्म को रिलीज हुए अब सिनेमाघरों में तीसरा हफ्ता भी पूरा होने वाला है और चौथे वीकें पर इसकी कमाई में फिर तेजी आने के उम्मीद है। हालांकि इस शुक्रवार से फिल्म को नई रिलीज शाहिद कपूर की ओ रोमियो से भी टक्कर मिलेगी।

'बॉर्डर 2' की तीसरे गुरुवार, 12 फरवरी 2026 की मॉर्निंग ऑक्यूपेंसी 4 I45 फीसदी दर्ज की गई है जो कि तीसरे बुधवार की तुलना में थोड़ी ज्यादा है।

'कुकू की कुंडली' से होगी बड़ी शुरुआत

भुवन बाम सोशल मीडिया का तो जाना माना चेहरा हैं, लेकिन पिछले कुछ समय में उन्होंने ओटीटी प्लेटफॉर्म के जरिए भी लोगों को खूब एंटरटेन किया है। पर अब भुवन बॉलीवुड में कदम रखने वाले हैं, जिसकी शुरुआत हो चुकी है। फिल्म 'कुकू की कुंडली' भुवन का बॉलीवुड डेब्यू होने वाला है, इस फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस प्रोड्यूस कर रहा है, जो बॉलीवुड में बड़े और सफल प्रोजेक्ट्स के लिए जाना जाता है। ऐसे बैनर के साथ डेब्यू करना अपने आप में बड़ी बात मानी जाती है।फिल्म का डायरेक्शन करण शर्मा कर रहे हैं, 'कुकू की कुंडली' की कहानी को हल्के-फुल्के अंदाज और एंटरटेनिंग ट्विस्ट के साथ पेश किए जाने की तैयारी है, जिसमें भुवन एक बिल्कुल नए अवतार में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग के लिए लखनऊ की कई खास लोकेशंस चुनी गई हैं। शहर के अलग-अलग हिस्सों में फिल्म की टीम काम कर रही है। बताया जा रहा है कि फिल्म का शेड्यूल करीब एक महीने तक चलेगा। इसके अलावा जानकारी मिली है कि फिल्म के कुछ हिस्सा कानपुर में भी शूट किया जाएगा।

डिजिटल दुनिया से पहचान बनाने वाले भुवन बाम अब बड़े पर्दे पर किस्मत आजमाने जा रहे हैं। यूट्यूब पर बीबी की वाइन्स से करोड़ों दिलों में जगह बनाने वाले भुवन ने जिस सफर की शुरुआत छोटे-छोटे वीडियो से की थी, वो अब बॉलीवुड तक पहुंच चुका है। उनकी पहली फिल्म 'कुकू की कुंडली' की शूटिंग लखनऊ में शुरू हो चुकी है और इसी के साथ भुवन बाम का बॉलीवुड डेब्यू ऑफिशियल हो गया है। उनके फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'ना जाने कौन आ गया' का पोस्टर रिलीज़

वैलेंटाइन के सीजन में जब हर ओर प्यार, एहसास और रिश्तों की बातें होती हैं, ऐसे समय में आने वाली हिंदी रोमांटिक फिल्म 'ना जाने कौन आ गया' का पोस्टर रिलीज़ किया गया है। सेक्रेड गेम्स फेम अभिनेता जतिन सरना , मधुरिमा रॉय और प्रणय पचौरी स्टारर, फ़िल्म 'ना जाने कौन आ गया' फिल्म दर्शकों को एक संवेदनशील, भावनात्मक और आज के दौर की प्रेम कहानी की पहली झलक देती है। फिल्म का पोस्टर एक ऐसे रिश्ते की खामोश गहराई को दर्शाता है, जो बाहर से मुकम्मल दिखता है लेकिन भीतर कई अनकहे सच और अधूरे एहसास छुपाए हुए है। पोस्टर की सादगी और भावनात्मक प्रभाव कहानी की उस उलझन की ओर इशारा करता है, जहां प्यार, दूरी और अनिश्चितता एक-दूसरे से टकराते हैं और कई सवाल छोड़ जाते हैं। 'ना जाने कौन आ गया' आज के समय के रिश्तों को टटोलती है, जहां भावनाएं पहले से कहीं ज्यादा जटिल हैं और कमिटमेंट की परिभाषाएं लगातार बदल रही हैं।

फिल्म की शूटिंग उत्तराखंड के खूबसूरत और मनोहारी लोकेशंस भीमताल और नैनीताल में की गई है. पोस्टर को लेकर निर्माता विपुल धवन ने कहा, "'ना जाने कौन आ गया' कोई पारंपरिक लव स्टोरी नहीं है। पोस्टर उस खामोश भावनात्मक उलझन को बेहद खूबसूरती से दर्शाता है। यह उन अनकहे जज़्बातों की झलक हैं।" फिल्म के लेखक और निर्देशक विकास अरोड़ा ने बताया , "यह फिल्म इस सोच से जन्मी है कि आज का प्यार सरल या सीधी रेखा में चलने वाला नहीं रहा।

फिल्म "द डायरी ऑफ मणिपुर"का ट्रेलर लॉन्च

माघ मेले की पावन और ऐतिहासिक धरती पर कुंभ वायरल गर्ल मोनालिसा की डेब्यू फिल्म "द डायरी ऑफ मणिपुर"का ट्रेलर संगम नगरी प्रयागराज में लॉन्च किया गया। ट्रेलर लांच का कार्यक्रम माघ मेले में निश्चित था लेकिन प्रशासन से अनुमति नहीं मिलने पर शहर के एक होटल में लांच किया गया । इस अवसर पर अभिनेत्री मोनालिसा, अभिनेता अमित राव, प्रयागराज के अभिनेता अभिषेक त्रिपाठी, अभिनेता दिनेश त्रिवेदी, फिल्म के निर्देशक सनोज मिश्रा सहित पूरी टीम उपस्थित रहे । माघ मेले जैसे वैश्विक आयोजन के बीच फिल्म के ट्रेलर लॉन्च ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया। फिल्म The Diary of Manipur की परिकल्पना और शुरुआत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से हुई। माघ मेले के सफल और वैश्विक आयोजन ने इस ट्रेलर लॉन्च को एक विशेष पहचान दी और फिल्म के संदेश को व्यापक मंच प्रदान किया।

हमी की धरती पर होगा 'जय हनुमान' का आगाज

साउथ सिनेमा की सुपरहिट फिल्म 'हनु-मान' के बाद अब उसके सीक्वल 'जय हनुमान' को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। ब्लॉकबस्टर फिल्म 'हनु-मान' की अपार सफलता के बाद, निर्देशक प्रशांत वर्मा अपनी इस सुपरहीरो यूनिवर्स को अगले स्तर पर ले जाने के लिए तैयार हैं। वहीं अब 'जय हनुमान' को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। खबरों के अनुसार 'जय हनुमान' ग्रैंड लॉन्च 22 फरवरी, 2026 को कर्नाटक के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक शहर हम्पी में किया जाएगा। 'जय हनुमान' जैसी पौराणिक पृष्ठभूमि वाली फिल्म का लॉन्च यहां होना फैंस के लिए बेहद खास माना जा रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हम्पी (अंजनाद्रि पहाड़ी) को भगवान हनुमान का जन्मस्थान माना जाता है। ऐसे में प्रशांत वर्मा ने अपनी फिल्म की शुरुआत के लिए इस पवित्र स्थान को चुनकर दर्शकों की उत्सुकता को दोगुना कर दिया है।

24 घंटे में दो भीषण सड़क दुर्घटनाएं, दो की मृत्यु, एक युवक जीवन-मृत्यु से जूझ रहा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जिले में बीते 24 घंटों के भीतर घटित दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं ने एक बार फिर यातायात सुरक्षा व्यवस्थाओं पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। पाटन एवं शहपुरा थाना क्षेत्रों में हुई इन घटनाओं में दो युवकों की मृत्यु हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल होकर उपचाराधीन है। दोनों घटनाओं के बाद परिजनों में शोक व्याप्त है तथा क्षेत्र में मातम का वातावरण बना हुआ है।

पाटन में तेज रफ्तार कार की टक्कर से युवक की मौत

पाटन थाना से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरु पिपरिया वेयर हाउस के समीप स्कॉर्पियो वाहन क्रमांक एमपी 20 सीई 1039 के चालक ने कथित रूप से तेज गति एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए सामने जा रही मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। मोटरसाइकिल पर सवार अजीत मंडल एवं उनके साथी अक्षय टक्कर लगते ही सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की सहायता से दोनों घायलों को तत्काल शासकीय चिकित्सालय पाटन पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने परीक्षण के उपरांत ग्राम बांसघाट, अरवल (बिहार) निवासी अजीत मंडल को मृत घोषित

कर दिया। बताया जा रहा है कि अजीत मंडल कार्य के सिलसिले में क्षेत्र में रह रहे थे। वहीं गंभीर रूप से घायल अक्षय की हालत चिंताजनक होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए संदर्भित किया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना अत्यंत तीव्र गति के कारण हुई प्रतीत होती है। पुलिस ने वाहन को जब्त कर चालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।

शहपुरा में मोटरसाइकिल से गिरने पर राजमिस्त्री की मौत

दूसरी घटना शहपुरा थाना क्षेत्र में विमल धर्म कांटा के पास घटित हुई। जानकारी के अनुसार 28 वर्षीय प्रदीप गोंटिया, जो पेशे से राजमिस्त्री था, रात्रि लगभग 9 बजे कार्य समाप्त कर मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर फिसल गया, जिससे वह सिर के बल गिर पड़ा और अचेत हो गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और उसे तत्काल शासकीय चिकित्सालय शहपुरा ले गए। चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद प्रदीप गोंटिया को मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक आशंका है कि गिरने के दौरान सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मृत्यु हुई, हालांकि वास्तविक कारण का पता चिकित्सकीय परीक्षण प्रतिवेदन के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

पुलिस ने मर्ग कायम कर प्रारंभ की जांच

दोनों घटनाओं में संबंधित थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर प्रकरण को विवेचना में ले लिया है। दुर्घटनाओं के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि तेज गति, लापरवाही एवं सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी ऐसी घटनाओं के प्रमुख कारण बन रहे हैं। लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं ने आमजन में चिंता बढ़ा दी है। नागरिकों ने प्रशासन से यातायात नियंत्रण, गति सीमा के पालन तथा सघन जांच अभियान चलाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुखद घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

जबलपुर में पिस्ता बर्फी बनी जानलेवा, विषाक्त भोजन से एक की मृत्यु, 16 का उपचार जारी, तीन की स्थिति गंभीर

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

भेड़ाघाट थाना क्षेत्र में एक धार्मिक आयोजन के दौरान वितरित की गई पिस्ता बर्फी जानलेवा सिद्ध हुई। प्रसाद के रूप में दी गई मिठाई खाने के बाद 17 लोग विषाक्त भोजन के शिकार हो गए, जिनमें से एक 45 वर्षीय व्यक्ति की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है, वहीं स्वास्थ्य एवं खाद्य सुरक्षा विभाग में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भेड़ाघाट निवासी पटेल परिवार द्वारा ग्राम तेवर स्थित त्रिपुर सुंदरी मंदिर में सुहागिनों का धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के उपरांत प्रसाद स्वरूप पिस्ता बर्फी वितरित की गई। मिठाई सेवन करने के कुछ ही समय बाद लगभग 17 लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। पीड़ितों को उल्टी, दस्त, पेट दर्द तथा चक्कर आने की शिकायत होने पर परिजनों ने उन्हें तत्काल शासकीय एवं निजी चिकित्सालयों में भर्ती कराया। कुछ मरीजों को विक्टोरिया चिकित्सालय, दो को गोटेगांव चिकित्सालय तथा अन्य को अलग-अलग निजी अस्पतालों में उपचार हेतु भर्ती किया गया। गंभीर रूप से बीमार भेड़ाघाट चौराहा निवासी 45 वर्षीय इन्द्रपाल पटेल की स्थिति अत्यंत नाजुक होने पर उन्हें एक निजी चिकित्सालय से नागपुर भेजा गया था। वहां उपचार के बावजूद स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ और पुनः जबलपुर लाए जाने के बाद रविवार देर रात्रि उनका निधन हो गया। उनके निधन से परिवार सहित क्षेत्र में मातम छा गया है। वर्तमान में 16 मरीजों का उपचार जारी है, जिनमें से तीन की स्थिति अभी भी गंभीर बताई जा रही है। चिकित्सकों की टीम सतत निगरानी रखे हुए है तथा आवश्यक उपचार प्रदान किया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम सक्रिय हो गई है। प्रारंभिक जांच में ज्ञात हुआ है कि संबंधित मिठाई भेड़ाघाट चौराहे की एक दुकान से क्रय की गई थी। विभागीय अधिकारियों ने दुकान से मिठाई के नमूने जब्त कर प्रयोगशाला परीक्षण हेतु भेज दिए हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार प्रयोगशाला प्रतिवेदन प्राप्त होने के पश्चात ही बीमारी के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अस्वस्थता होने पर तत्काल चिकित्सालय में संपर्क करें तथा अपुष्ट सूचनाओं पर ध्यान न दें।

जबलपुर में दोस्त ने ही की बड़ी धोखाधड़ी, मोबाइल मांगकर ऑनलाइन ट्रांसफर किए लगभग 8 लाख रुपये

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सिहोरा तहसील के खितौला थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां साथ काम करने वाले युवक ने दोस्ती का फायदा उठाते हुए अपने ही सहकर्मी के बैंक खातों से लाखों रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए। आरोपी ने बातचीत करने के बहाने कई दिनों तक मोबाइल फोन लिया और उसी दौरान फोन-पे के माध्यम से करीब 8 लाख रुपये अपने खाते में जमा कर लिए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, छपरा निवासी लक्ष्मी प्रसाद कुशवाहा खितौला स्थित वाटर फिल्टर प्लांट के पंप हाउस में माली के पद पर कार्यरत है। उसके साथ ही सिंधुली, थाना मझगवां निवासी आशीष कोल पंप ऑपरेटर के रूप में कार्य करता था। दोनों के बीच सामान्य दोस्ताना संबंध थे। इसी का फायदा उठाकर आशीष ने 3 जनवरी से 6 फरवरी के बीच कई बार लक्ष्मी से मोबाइल फोन लिया। वह कहता था कि उसे जरूरी कॉल करनी है या किसी से बात करनी है। लक्ष्मी प्रसाद को इस दौरान किसी तरह की शंका नहीं हुई। लेकिन जब वह अपनी भांजी की शादी के सिलसिले में सिहोरा स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र की शाखा पहुंचा और खाते से रकम निकालने की कोशिश की, तब उसे खातों से बड़ी राशि निकलने की जानकारी मिली। बैंक अधिकारियों ने बताया कि रकम फोन-पे के जरिए

ऑनलाइन ट्रांसफर की गई है। जांच में सामने आया कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा सिहोरा के खाते से 6 लाख 87 हजार रुपये और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा सिहोरा के खाते से 92 हजार रुपये आरोपी ने अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए थे। कुल मिलाकर 7 लाख 79 हजार 999 रुपये की धोखाधड़ी सामने आई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी आशीष कोल को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह ऑनलाइन गेमिंग का आदी है और ट्रांसफर की गई पूरी रकम गेम खेलने में हार गया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर लिया है और प्रकरण की विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि डिजिटल लेनदेन के दौर में मोबाइल और बैंकिंग ऐप की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतना बेहद जरूरी है।

जबलपुर में प्रशासनिक निगरानी में हुआ डॉ. हेमलता का अंतिम संस्कार

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

60 करोड़ की संपत्ति को लेकर बढ़ा विवाद

शहर के राइट टाउन इलाके की वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. हेमलता श्रीवास्तव का सोमवार को गौरीघाट मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनकी बहन तथा गायत्री परिवार से जुड़े एक सदस्य ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के दौरान एहतियातन जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे।

डॉ. श्रीवास्तव के निधन के साथ ही उनकी लगभग 60 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर चल रहा विवाद और गहरा गया है। दान पत्र और अन्य दस्तावेजों की जांच प्रशासन द्वारा की जा रही है। करीब एक माह पूर्व तबीयत बिगड़ने पर प्रशासन के हस्तक्षेप से उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती

कराया गया था। उपचार के बाद स्थिति में सुधार बताया गया, लेकिन अचानक उनके निधन की खबर सामने आई। उनके पति और पुत्र का पहले ही देहांत हो चुका है। संपत्ति से जुड़े मामले में डॉ. सुमित जैन, उनकी पत्नी प्राची जैन, एक बहन और जीजा के नाम सामने आए हैं, जिनकी भूमिका की जांच की जा रही है। एसडीएम और पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी की गई। सूत्रों के अनुसार, बीमारी के दौरान जब उन्हें घर से बाहर ले जाया गया था, तभी उनकी बड़ी संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक हुई और विभिन्न पक्षों ने दावा जताना शुरू कर दिया। डॉ. सुमित जैन का कहना है कि 2 जनवरी को डॉ. श्रीवास्तव ने अपनी इच्छा से करीब 11 हजार वर्गफीट भूमि उनके परिवार के नाम एक मेमोरियल अस्पताल के लिए दान की थी। वहीं 14 जनवरी को वह उनके जन्मदिन पर भी साथ थीं। दूसरी ओर, गायत्री मंदिर ट्रस्ट का दावा है कि डॉ. श्रीवास्तव ने अपनी छोटी बहन कनकलता मिश्रा के समक्ष पूरी संपत्ति ट्रस्ट को समर्पित करने की इच्छा जताई थी। मामले में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने भी रुचि लेते हुए प्रशासन से पारदर्शी जांच की मांग की है। प्रशासन का कहना है कि सभी दावों की वैधानिक जांच की जा रही है और तथ्य सामने आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जबलपुर में चलती ट्रेन में यात्री पर चाकू से हमला, भिटौनी स्टेशन के पास वारदात

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर रेल मंडल अंतर्गत भिटौनी रेलवे स्टेशन के समीप चलती ट्रेन में एक यात्री पर वेंडर द्वारा चाकू से हमला किए जाने की घटना सामने आई है। पुणेझसुपौल एक्सप्रेस के जनरल कोच में हुई इस वारदात ने एक बार फिर रेल यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। रेलवे पुलिस के अनुसार हाजीपुर निवासी 29 वर्षीय राहुल सिंह राजपूत गाड़ी संख्या 11041 पुणेझसुपौल एक्सप्रेस से अपने घर लौट रहा था। ट्रेन जब भिटौनी स्टेशन के पास पहुंची, तभी कोच में मौजूद एक वेंडर से किसी बात को लेकर उसका विवाद हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मामूली कहासुनी देखते ही देखते तीखी बहस में बदल गई। बताया जाता है कि इसी दौरान आक्रोशित वेंडर ने अपने पास रखा चाकू निकालकर राहुल के पैर पर वार कर दिया। अचानक हुए हमले से जनरल कोच में बैठे यात्रियों में दहशत फैल गई और कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी सक्रिय हुई। ट्रेन के जबलपुर स्टेशन पहुंचने पर घायल यात्री को तत्काल उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने आरोपी वेंडर की पहचान कर उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद यात्रियों ने ट्रेनों में वेंडरों की जांच और सुरक्षा व्यवस्था सख्त करने की मांग की है।

जबलपुर में डीजे संचालक पर चाकू से हमला, शराब के लिए पैसे न देने पर वार

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

बेलबाग थाना क्षेत्र के कंजड़ मोहल्ला स्थित नर्मदा मैदान में शिवरात्रि पर्व के दौरान डीजे लगाने पहुंचे एक युवक पर तीन युवकों ने चाकू से हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावर शराब पीने के लिए रुपये मांग रहे थे और मना करने पर मारपीट करते हुए चाकू घोंप दिया। घायल युवक का उपचार कराया गया है, वहीं पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम तिगरा खमरिया निवासी 21 वर्षीय आलोक सिंह 15 फरवरी को कंजड़ मोहल्ला में आयोजित शिवरात्रि कार्यक्रम में डीजे सेट लगाने गया था। कार्यक्रम स्थल के पास, पार्षद कार्यालय के नजदीक, शिवराज जाट, युवराज जाट और देवा जाट ने उससे एक हजार रुपये की मांग की। बताया जा रहा है कि आरोपी शराब पीने के लिए पैसे चाहते थे। आलोक द्वारा रुपये देने से इंकार करने पर तीनों ने उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर एक आरोपी ने चाकू निकालकर उसकी जांघ में वार कर दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर बेलबाग पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 119(1), 296(बी), 351(2) और 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। आरोपियों की तलाश एवं मामले की विस्तृत जांच जारी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे एम.आर.-4 रोड उखरी जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com